जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, रविवार 28 दिसम्बर, 2025

इतिहास में पहली बार

सुपरमार्केट चार पहियों पर आपके घर आएगा

महीने भर का राशन, देख कर, छू कर, क्वालिटी समझ कर फिर खरीदो

FIXED PRICE

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™

Pavitra

रिटेलर हो या कस्टमरः कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती राइस
- एलीट बासमती राइस
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- तिल का तेल
- मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- गुड़ पाउडर
- चाय और भी बहुत कुछ

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

भारत में सभी शहरी क्षेत्रों के आसपास के वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना आवश्यक है

30X 30 एक वैश्विक संरक्षण पहल है, जिसका उद्देश्य 2030 तक पृथ्वी के 30 प्रतिशत भूमि और महासागरों की रक्षा करना है। यह जैव विविधता कन्वेंशन (सीबीडी) के वर्ष 2020 के बाद के वैश्विक जैव-विविधता ढांचे के तहत एक प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 7,935 शहर और कस्बे थे। यहाँ शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है। इन शहरों और कस्बों के आसपास स्थित पेरी-अर्बन वनों की रक्षा करना पारिस्थितिक गलियारों को मजबूत करेगा, शहरी जैव-विविधता को बढ़ावा देगा और जलवायु सहनशीलता में सुधार करेगा। ये वन कार्बन भंडार के रूप में कार्य करते हैं, महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जैव-विविधता हानि को कम करते हैं। पेरी-अर्बन वनों को 30 30 रणनीति में शामिल करना समावेशी संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ मेल खाता है, जिसमें स्थानीय समुदायों की भागीदारी और देश की अनोखी जैव-विविधता और पारिस्थितिक अखंडता के लिए एक टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करना शामिल है।

पेरी-अर्बन वन-हरे भरे क्षेत्र जो शहरों के बाहरी इलाकों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्थित हैं-पारिस्थितिक जीवनरेखा हैं जो शहरीकरण के प्रतिकूल प्रभावों को कम करते हैं। ये वन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें कार्बन अवशोषण, जल चक्र विनियमन, जैव-विविधता संरक्षण, स्थानीय तापमान को संतुलित करना और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रकृति-आधारित समाधान के स्त्रोत के रूप में काम करना शामिल है।

तेजी से शहरी विस्तार के साथ, पेरी-अर्बन वन, कटाई, शहरीकरण के कारण भूमि उपयोग में बदलाव और प्रबंधन में उपेक्षा जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए, इनके बहुआयामी लाभों के प्रमाणों के आधार पर, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना और उनका प्रबंधन करना आवश्यक है।

भारत विश्व स्तर पर पेरी-अर्बन वनों की बहाली की उच्चतम संभावना वाले शीर्ष चार देशों में शामिल है, जिसमें चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राज़ील भी शामिल हैं। ये चार देश पुनर्स्थापन गतिविधियों के लिए उपलब्ध वैश्विक पेरी-अर्बन क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण हिस्साप्रदान करते हैं। अकेले भारत में लगभग 14 से 17 मिलियन हेक्टेयर भूमि ऐसी पहलों के लिए उपयुक्त मानी गई है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता को बढ़ावा देने और शहरी सहनशीलता में सुधार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है (एस. फ्रांसिनीएटअल., नेचर सिटीज, वॉल्यूम 1, पेज 286-294, 2024)। यह वैश्विक पुनर्स्थापन प्रयासों में भारत की केंद्रीय भूमिका और लक्षित पुनर्वनीकरण गतिविधियों के माध्यम से महत्वपूर्ण पारिस्थितिक और सामाजिक लाभ प्रदान करने की इसकी क्षमता को उजागर करता है।

भारत में शहरी और पेरी-अर्बन राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षण रिज़र्वों का एक व्यापक नेटवर्क है, जो जैव-विविधता संरक्षण और शहरी पारिस्थितिकी सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (मुंबई), जो 103 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के लिए एक हरा फेफड़ा है और तेंदुओं सहित विविध वन्यजीवों का घर है। इसी तरह, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान(भोपाल), 4.45 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और प्राकृतिक बाड़ों में जानवरों के साथ एक प्राणी उद्यान के रूप में कार्य करता है। गिंडी राष्ट्रीय उद्यान (चेन्नई), जो केवल 2.7 वर्ग किलोमीटर में फैला है, काले हिरण, चीतल और पक्षियों के लिए एक शहरी अभयारण्य है।

हैदराबाद में कासूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान, जो 1.43 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के केंद्र में स्थित एक शहरी वन है, जो उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनस्पति को संरक्षित करता है और आवश्यक पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करता है। महावीर हरीना वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान, 14.59 वर्ग किलोमीटर में फैला है और काले हिरणों की आबादी और शिक्षा तथा मनोरंजन में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान (बेंगलुरु), 260.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और हाथी गलियारे और पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाओं को जोड़ता है, जो शहरी दबावों और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन बनाता है।

चंदका-दामपाड़ा वन्यजीव अभयारण्य, जो भुवनेश्वर, ओडिशा के पास स्थित है, 193.39 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और शहरी क्षेत्रों के करीब एक महत्वपूर्ण हाथी अभयारण्य है। यह मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और जैव-विविधता को संरक्षित करने में पेरी-अर्बन संरक्षित क्षेत्रों के महत्व को रेखांकित करता है। जयपुर का झालाना-अमागढ़ कंजेर्वेशन रिज़र्व, जो 32 वर्ग किलोमीटर में फैला है, अपनी बढ़ती तेंदुओं की आबादी, कार्बन संचय, भू-जल पुनर्भरण और पर्यावरण पर्यटन के लिए जाना जाता है।

हमने हैदराबाद, तेलंगाना के पास स्थित 109 शहरी और पेरी-अर्बन वनों में से एक का दौरा किया, जो 250 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन प्रजातियों के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनर्जनन को प्रदर्शित करता है। मजबूत संरक्षण उपायों ने जैव-विविधता की रक्षा की है, जलग्रहण क्षेत्र की स्थिति को बेहतर बनाया है और आसपास की झीलों को स्वच्छ पानी प्रदान किया है। इसी प्रकार हैदराबाद का कासूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान एक महत्वपूर्ण शहरी संरक्षित क्षेत्र है, जहाँ चंदन (सैंटलम एल्बम) के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनरुत्पादन को देखा गया है। यह मुख्य रूप से पक्षियों द्वारा बीजों के प्रसार के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें बुलबुल पक्षी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। ये पक्षी पार्क के 353 एकड़ क्षेत्र में, जिसमें संरक्षण और पर्यटन क्षेत्र दोनों शामिल हैं, बीजों को फैलाने में सहायक हैं।

पेरी-अर्बन वन पारिस्थितिक पर्यटन, टिकाऊ आजीविका और शीतलन के लिए ऊर्जा लागत को कम करके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं। ऐसी सेवाएं पेरी-अर्बन वनों को संरक्षित करने के वित्तीय लाभों को रेखांकित करती हैं। पेरी-अर्बन वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करेगा और स्थानीय व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल शहर के लिए हरे फेफड़े का काम करता है, जैव-विविधता संरक्षण में योगदान देता है, पारिस्थितिक पर्यटन को बढ़ावा देता है, और आसपास की झील के लिए जल विनियमन को बेहतर बनाता है। अपनी छोटी सीमा के बावजूद, वन विहार संरक्षण और मनोरंजन के बीच संतुलन स्थापित करता है। पारिस्थितिक संरक्षण और शहरी योजना को एकीकृत करने का उत्तम उदाहरण है।

पेरी-अर्बन वन स्थानीय जलवायु को स्थिर करने के लिए अपरिहार्य हैं,विशेष रूप से उन शहरी और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में जो अत्यधिक गर्मी की चपेट में आते हैं। झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रोफेसर आर. योसेफ और उनकी टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि पेरी-अर्बन वनभूमि सतह तापमान (LST) को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व के भीतर का थ्एऊ, आसपास के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में सभी मौसमों में काफी कम था। यहशीतलन प्रभाव दिखाता है कि वन शहरी गर्मी द्वीपों (Urban Heat Islands) का कैसे मुकाबला करते हैं, जो अन्यथा शहरों में गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ाते हैं (Forests, Vol. 13, Pages 1101, 2022)? यह निष्कर्ष घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जीवन स्तर को सुधारने के लिए भारत में शहरी और पेरी-अर्बन वनों को प्राथमिकता देने की मजबूत वकालत करता है।

शीतलन के अलावा, पेरी-अर्बन वन वैश्विक जलवायु शमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एस. फ्रांसिनी और उनके सहयोगियों ने पाया कि विश्व स्तर पर उपयुक्त पेरी-अर्बन क्षेत्रों को पुनर्स्थापित करके 101 से 106अरब पेड़ों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा सकता है,जो कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण योगदान देगा (Nature Cities, Vol. 1, Pages 286–294, 2024)?

पेरी-अर्बन वनों में निवेश पारंपरिक 'ग्रे' अवसंरचना,जैसे बांध और तटबंध, के बजाय बाढ़ नियंत्रण और जलवायु अनुकूलन के लिए एक किफायती विकल्प है। आर. मलेकनिया और उनकी टीम द्वारा किए गए अध्ययन यह दर्शाते हैं कि पेरी-अर्बन वन प्राकृतिक स्पंज के रूप में कार्य करते हैं, वर्षा जल को अवशोषित करते हैं, जल पुनर्भरण करते हैं, और शहरी बाढ़ के जोखिम को कम करते हैं (Forests, Vol. 15, 2024)? यह पारिस्थितिकी सेवा आपदा के बाद के पुनर्वास पर होने वाले आर्थिक बोझ को कम करती है और दीर्घकालिक सहनशीलता सुनिश्चित करती है।

पेरी-अर्बन वन पारिस्थितिक पर्यटन, टिकाऊ आजीविका और शीतलन के लिए ऊर्जा लागत को कम करके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं। ऐसी सेवाएं पेरी-अर्बन वनों को संरक्षित करने के वित्तीय लाभों को रेखांकित करती हैं। पेरी-अर्बन वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करेगा और स्थानीय व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

पेरी-अर्बन वन स्वच्छ हवा प्रदान करके, गर्मी के तनाव को कम करके और मनोरंजन स्थल के रूप में शहरी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। ये लाभ विशेष रूप से भारत के घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं, जहाँ हीट-वेव और वायु प्रदूषण शहरी समुदायों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, पेरी-अर्बन वन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करते हैं। मनोरंजन स्थलों के रूप में ये वन व्यायाम और विश्राम के अवसर प्रदान करते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना एक क्रांतिकारी नीतिगत समाधान है, जो इन वनों की सुरक्षा को संस्थागत रूप देगा और उनके पारिस्थितिक,आर्थिक और सामाजिक लाभों को पूरी तरह से प्राप्त करने की क्षमता को साकार करेगा। कंजर्वेशनरिज़र्व कानूनी ढांचा प्रदान करते हैं, जो वनों को शहरी अतिक्रमण और अव्यवस्थित दोहन से बचाते हैं, साथ ही समुदाय की भागीदारी को भी सक्षम बनाते हैं। पेरी-अर्बन वनों के संरक्षण को लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, जीआईएस और रिमोट सेंसिंग उपकरणों का उपयोग करके पेरी-अर्बन वनों की पहचान और मूल्यांकन करना चाहिए, जो भूमि सतह तापमान और पारिस्थितिकी सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करेगा। दूसरे, नीतिगत और कानूनी सुधारों के माध्यम से इन क्षेत्रों को औपचारिक रूप से समय समय पर संशोधित, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुरूप कंजर्वेशन रिज़र्व के रूप में नामित करना आवश्यक है, जिससे इनकी दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तीसरे, सहभागी योजना और शिक्षा के माध्यम से समुदायों को शामिल करना महत्वपूर्ण है, ताकि जन-जागरूकता बढ़ाई जा सके और स्थानीय स्तर पर संरक्षण प्रयासों में भागीदारी सुनिश्चित हो। चौथे, सीधी बुआई(बीजारोपण), असिस्टेड नेचुरल रिजनेरेशन जैसी वैज्ञानिक पुनर्स्थापन तकनीकों का उपयोग करके वनों के पुनर्स्थापन और क्षतिग्रस्त वनों को बेहतर करने में मदद मिल सकती है। अंत में, जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से पेरी-अर्बन वनों के पारिस्थितिक और सामाजिक लाभों को उजागर किया जा सकता है, जिससे नागरिकों को इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। इन सभी प्रयासों से पेरी-अर्बन वनों का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को सुनिश्चित करेगा, बल्कि देश के आर्थिक और सामाजिक लाभों में भी योगदान देगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

अंगदान से बढ़कर कोई दान नहीं, लोगों को जागरुक करने की महत्ती आवश्यकता

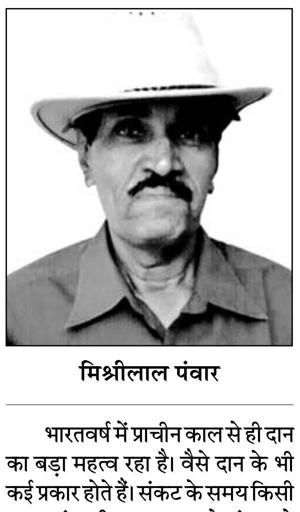

मिश्रीलाल पंवार

भारतवर्ष में प्राचीन काल से ही दान का बड़ा महत्व रहा है। वैसे दान के भी कई प्रकार होते हैं। संकट के समय किसी जरुरतमंद की मदद कर उसे संकट से बचा लेना ही दान कहलाता है। कथा अनुष्ठानों में संत महात्माओं द्वारा दान का खूब गुणगान किया जाता है। मगर उनका लक्ष केवल धन की तरफ रहता है। अंगदान जैसे महत्वपूर्ण दान पर कोई नहीं बोलता। जबकि अंगदान सबसे बड़ा दान है तथा इस पर ध्यान देना आज की पहली आवश्यकता है। बदलते दौर में अंगदान का महत्व बहुत बढ़ गया है। इससे बड़ा कोई अन्य दान नहीं है।

प्राचीन काल में महर्षि दधीचि ने संसार पर आए संकट को टालने तथा दैत्यराज वृत्रासुर के अत्याचारों से मनुष्य जाति को बचाने के लिए अपनी हड्डियाँ देवताओं को दान कर दी थी। अपने शरीर का मोह त्याग कर लोकहित में अपना जीवन त्यागने की यह घटना विश्व में अजय अमर हो गई। उनकी हड्डियों से बने वज्र से ही इंद्र ने वृत्रासुर का वध किया था। यह दान परोपकार और निस्वार्थ भाव का एक महान उदाहरण है, जहाँ उन्होंने अपने शरीर का त्याग करके देवताओं को शक्तिशाली अस्त्र (वज्र) प्रदान किया।

शास्त्रों के अनुसार वृत्रासुर नामक राक्षस देवताओं और मनुष्यों पर अत्याचार कर रहा था और वह कोई भी अस्त्र मार से मर नहीं रहा था, क्योंकि उसके पास वरदान था कि उसे किसी अस्त्र से नहीं मारा जा सकता। परेशान देवता भगवान शिव के पास पहुंचे और वृत्रासुर राक्षस की बात बताई। भगवान शिव ने कहा कि इसमें सिर्फ महर्षि दधीचि की आप लोगों की सहायता कर सकते हैं। उनकी हड्डियों में व्रज जैसी शक्ति है। महर्षि दधीचि अगर अगर अपनी हड्डियां तुम्हें दान कर देते हैं तो उससे अस्त्र बना कर वृत्रासुर से युद्ध करोगे तो उस राक्षस का अन्त हो जाएगा।

भगवान शिव की बात सुनकर इंद्र और अन्य देवता महर्षि दधीचि के पास पहुंचे और उनकी अस्थियाँ मांगीं। जिससे वे वज्र नामक एक दिव्य और शक्तिशाली अस्त्र बना सकें।

महर्षि दधीचि ने लोक-कल्याण के लिए अपना शरीर त्यागने का निर्णय लिया। उन्होंने समाधि लगाकर योगबल से अपने शरीर का त्याग कर दिया और केवल अस्थियाँ शेष रह गईं। उन हड्डियों से इंद्र ने वज्र बनाया। इस वज्र से इंद्र ने वृत्रासुर का वध किया और पृथ्वी को उसके अत्याचारों से मुक्त कराया। यह दान निस्वार्थ सेवा, त्याग और लोकहित के लिए था। इससे संसार के प्राणियों की रक्षा हो सकी।

वर्तमान के बदलते दौर में व्यक्ति नाना प्रकार की बिमारियों का शिकार होकर काल का ठास बन रहा है। ऐसे लोगों को बचाने तथा नई जिंदगी देने के उद्देश्य से अंगदान के महत्व को समझा गया। सरकार ने इसके महत्व को देखते हुए कई कद उठाए। अंग दान एवं प्रत्यारोपण मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम 1994 बनाया। इस कानून को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इस अधिनियम को 2011 में संशोधित किया गया था। इस कानून का उद्देश्य चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए मानव अंगों को निकालने, भंडारण करने और प्रत्यारोपण करने को विनियमित करना है। लोगों को जागरूक करने के कार्यक्रम चलाए गए। धीरे-धीरे इसके सुखद परिणाम भी आने लगे।

2024 में भारत ने 18,900 अंग प्रत्यारोपण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया और संयुक्त राज्य अमेरिका व चीन के बाद दुनिया में तीसरा स्थान प्राप्त किया। खास बात यह है कि भारत ने जीवित अंगदान में पहला स्थान पाया है, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि आम नागरिकों में आग दान के प्रति जागरूकता आई है।

भारत कुल अंग प्रत्यारोपण के मामले में तीसरे स्थान पर है, जबकि पहले स्थान पर संयुक्त राज्य अमेरिका और दूसरे पर चीन है। भारत जीवित दाता अंग प्रत्यारोपण के मामले में प्रथम स्थान पर है।

राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्यारोपण की उपलब्धता को बढ़ाना, जागरूकता में सुधार करना और आवश्यक अवसंरचना में वृद्धि करना है। यह कार्यक्रम एक नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता है, जिसमें राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन,क्षेत्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन तथा राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन शामिल है।

अंग प्रत्यारोपण में इस वृद्धि के बावजूद, भारत में मृतक के अंग दान की दर बहुत कम है, जो प्रति दस लाख जनसंख्या पर 1 से भी कम है। स्पेन में यह दर प्रति दस लाख जनसंख्या पर 48 है।

आधार-लिंक्ड डिजिटल प्रतिज्ञा पोर्टल को सितंबर 2023 में लॉन्च किया गया था। इसके माध्यम से 3 लाख से अधिक नागरिकों ने अंगदान के लिए अपनी प्रतिज्ञा को पंजीकृत कराया है। 2024 में "अंगदान जन जागरूकता अभियान" को शुरू किया गया था।अंगदान में तेलंगाना ने भारत में नंबर 1 राज्य का दर्जा प्राप्त किया।

ओरगन डोनेशन इन इंडिया 2025: पर हर साल स्वास्थ्य के क्षेत्र में अलग-अलग रिकॉर्ड दर्ज होते हैं। साल 2025 में जब राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन और राज्यों की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं ने देश में अंगदान-अभियान को गति दी, तो जन जागरूकता से तेलंगाना ने खुद को टॉप पर रखा। अगस्त 2025 में, तेलंगाना को द्वारा भारत का नंबर वन राज्य घोषित किया गया। 15वें भारतीय अंगदान दिवस समारोह में तेलंगाना को सम्मानित किया। अंगदान को लेकर लोगों को जागरूक करने की आज बहुत आवश्कता है। हांलांकि शासन प्रशासन द्वारा इस दिशा में अनेक कदम उठाए जा रहे हैं और उसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

पिछले दिनों जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सी.आर. चौधरी की अगुवाई में अस्पताल स्टाफ और मरीजों ने अंगदान करने की शपथ ली तो कईयों का ध्यान इस तरफ गया।कार्यक्रम में डॉक्टर चौधरी ने अंगदान को लेकर जानकारी दी।

डॉ. चौधरी का कहना है कि प्रदेश सरकार की ओर से चलाए जा रहे अभियान का मकसद हर व्यक्ति को अंगदान के महत्व के बारे में जागरूक करना है, जिससे किसी की मौत दूसरों की जिंदगी बचा सके। उन्होंने कहा कि कई बार किडनी, लिवर या हार्ट फेल होने के कारण मरीजों की मौत हो जाती है, जबकि अंगदान से ऐसे सैकड़ों लोगों को नई जिंदगी दी जा सकती है।

उन्होंने बताया कि भारत में हर साल हजारों मरीज ऐसे होते हैं जिन्हें किडनी, लिवर, आंख या हार्ट ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है, लेकिन दाता (डोनर) न मिलने से उनकी मौत हो जाती है। एक व्यक्ति अगर मृत्यु के बाद अपने अंग दान करता है तो वह 8 लोगों की जिंदगी बचा सकता है और 50 से ज्यादा लोगों की जीवन गुणवत्ता सुधर सकती है। 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति जीवित रहते हुए या मृत्यु के बाद अंगदान की इच्छा जताकर डोनर बन सकता है। जीवित व्यक्ति अपनी एक किडनी, लिवर का हिस्सा, या ब्लड और बोन मैरो दान कर सकता है।मृत्यु के बाद व्यक्ति का दिल, लिवर, किडनी, फेफड़े, पैंक्रियास, कॉर्निया और त्वचा जैसे अंग दान किए जा सकते हैं।

-मिश्रीलाल पंवार,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार है)

सुप्रीम कोर्ट की उच्च स्तरीय कमेटी पाली के नेहड़ा बांध का निरीक्षण करने पहुंची

पाली, (नि.सं.)। नेहड़ा बांध अब पानी नहीं, रंग-बिरंगे जहर से भरा है। कपड़ा फैक्ट्रियों का अनट्रीटेड रासायनिक पानी चोरी-छिपे बांडी नदी में छोड़ा जा रहा है, जो 60-70 गांवों की फसलों को जड़ से बर्बाद कर रहा है। गेहूं-सब्जियां उगती नहीं, उगती भी हैं तो बिकती नहीं। जिन्हें खा रहे हैं, वे हार्ट, कैंसर और किडनी के गंभीर मरीज बन रहे हैं। पशु बांझ हो रहे हैं, जमीन बंजर होती जा रही है। यह दर्द पिछले 40 साल से किसान झेल रहे हैं, लेकिन फैक्ट्री मालिकों के आगे प्रशासन की सुनवाई नहीं हो रही। शनिवार को सुप्रीम कोर्ट की उच्च स्तरीय कमेटी, सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा के नेतृत्व में नेहड़ा बांध पहुंची। किसानों ने रो-रोकर अपना दुख सुनाया। जस्टिस लोढ़ा ने खुद नदी में बहता रंगीन पानी देखा, फोटो-वीडियो बनाए और नाराजगी जताई।

सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट की उच्च स्तरीय कमेटी ने नेहड़ा बांध का निरीक्षण किया।

किसान नेता महावीर सिंह सुकरलाई ने बताया कि अवैध पाइपलाइन पकड़ी गई, लेकिन मुकदमा तक नहीं दर्ज हुआ। पुखराज पटेल ने सवाल उठाया कि सिंचाई विभाग कार्रवाई क्यों नहीं करता? मदन सिंह जागरवाल ने खुलासा किया कि गुजरात से रासायनिक टैंकर रात में बांडी में खाली होते हैं। सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा के साथ आई टीम नेहड़ा बांध की स्थिति का जायजा लेकर जेतपुर-गढ़वाड़ा के बीच स्थित बांडी नदी की रपट पहुंची, जहां भी नदी में उन्हें रंगीन पानी बहता नजर आया। दीपक बामणिया ने कहा कि उन्होंने दूषित हो रहे नेहड़ा बांध को लेकर अनशन किया तो उन्हें जेल में डाल दिया। यहां से टीम किसानों के कहने पर छापरिया गांव गई, जहां सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा को किसानों ने बताया कि कैसे उनके खेत रंगीन पानी के कारण खराब हो चुके हैं। सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा पाली सर्किट हाऊस पहुंचे। लंच के बाद हाईवे से होते हुए उन्होंने ट्रीटमेंट प्लांट संख्या की स्थिति देखी और टैंकरों के चक्के के निशान देख नाराजगी जताई। यहां भी उन्हें बांडी नदी में रंगीन पानी नजर आया। टीम यहां का निरीक्षण करने के बाद वापस जोधपुर चली गई।

सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा जब जेतपुर के निकट बांडी नदी की रपट से नदी में बह रहा दूषित पानी देख रहे थे, इस दौरान कई किसानों ने उनसे आग्रह किया कि छापरिया गांव के हालात काफी विकट हैं। इस पर वे अपना शेड्यूल बदलकर छपरिया गांव की तरफ निकले, लेकिन सिंगल कच्चे रोड पर 7-8 किलोमीटर चलने के बाद भी जब गांव नहीं आया तो उन्होंने नाराजगी जताई कि आपको सच बोलना चाहिए था कि तीन किलोमीटर का बोल कर 7-8 किलोमीटर दूर लेकर आ गए। इससे आगे को पूरा शेड्यूल बिगड़ रहा है।

इस दौरान उनके साथ जिला कलैक्टर एलएन मंत्री, एसपी आदर्श सिधु, एएसपी त्वरित अनुसंधान सेल

- **सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा ने नदी में बहता रंगीन पानी देखा, फोटो-वीडियो बनाए और नाराजगी जताई**
- **नेहड़ा बांध अब पानी नहीं, रंग-बिरंगे जहर से भरा है, कपड़ा फैक्ट्रियों का अनट्रीटेड रासायनिक पानी चोरी-छिपे बांडी नदी में छोड़ा जा रहा है**

जयसिंह सीओ ग्रामीण अमरसिंह रत्नू, सीओ सोजत रतनाराम देवासी, जेतपुर थानाप्रभारी जबरसिंह, रोहट थानाप्रभारी पदमपाल सिंह सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहा। वहीं नेहड़ा बांध, जेतपुर के पास नदी की रपट पर भी बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

शीतकालीन अवकाश में भी आंगनबाड़ी केंद्र खुले

अलवर शहर में करीब 158 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं

अलवर, (निसं)। राज्य सरकार और शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी स्कूलों में तो शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिए लेकिन आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश करना भूल गई। जिले में हजारों की संख्या में आंगनबाड़ी केन्द्र खुले हुए हैं। उसमें मासूम और छोटे बच्चे शिक्षा का अनुभव या यूं कहे गरीब परिवार के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने आते है जो मात्र तीन से पांच साल की आयु के ज्यादातर देखे जा रहे हैं। अलवर में पारा पांच डिग्री पर पहुंच चुका है लेकिन ये मासूम इतनी ठंड में भी आंगनबाड़ी में पढ़ने आ रहे हैं।

आंगनबाड़ी पर तीन से 6 साल तक के छोटे बच्चे आते हैं। किराया कम होने की वजह से बहुत से केंद्र ऐसे हैं जहां सीलन व गलन वाले कमरों में बच्चों को बैठाया जा रहा है। ये तंग गलियों में हैं, इस वजह से धूप भी कम आती है। इस वजह से बच्चों को तेज सर्दी में पढ़ना पड़ रहा है। शहर में करीब 158 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जो सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यरत कार्यकर्ता व सहायिकाओं के लिए दस-दस दिन का अवकाश दिया जाता है, जिसमें महिला कार्मिक बारी-बारी से अवकाश ले सकती हैं, ताकि केंद्र बंद न रहे और बच्चों की देखभाल व सरकारी योजनाओं का संचालन होता रहे।

- **अलवर में पारा पांच डिग्री पर पहुंच चुका है लेकिन ये मासूम इतनी ठंड में भी आंगनबाड़ी में पढ़ने आ रहे हैं**
- **शहर में करीब 158 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित, जो सुबह 10 से 2 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं**

महेश गुप्ता, उपनिदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, अलवर का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों पर शीतकालीन अवकाश के लिए मुख्यालय से कोई आदेश जारी नहीं हुए हैं, इसलिए केंद्र खोले जा रहे हैं।

राशिफल रविवार 28 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र प्रात: 8:43 तक, वारियान योग दिन 10:13 तक, बव करण दिन 12:00 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मीन, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से प्रात: 8:43 तक, रवियोग प्रात: से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी, पंचक है। आज से शाकम्भरी देवी नवरात्रा आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:36 से 9:53 तक, लाभ-अमृत 9:53 से 12:28 तक, शुभ 1:46 से 3:03 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:38 तक

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मिथुन
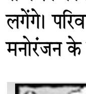
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कर्क
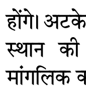
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कन्या

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

तुला
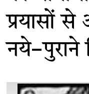
आज परिजनों/मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नये-पुराने मित्रों से संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
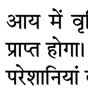
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्य के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

कुंभ
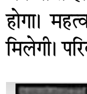
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
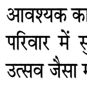
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 | वर्षः 33 | संख्याः 57 | प्रभात | उदयपुर, रविवार 28 दिसम्बर, 2025 | आर.जे. 7202 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

दिग्विजय सिंह सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में भी गरजे

पर चौंकाने वाली बात यह है कि पूरी बैठक में सभी ने उनकी दहाड़ को चुपचाप, ''पिनड्रॉप साइलैंस'' में सुना

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। कांग्रेस कार्य समिति की (वर्ष की आखिरी) की बैठक में तब जबरदस्त हंगामा हुआ, जब वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने संगठन के संचालन पर सवाल उठाए।

सीडब्ल्युसी बैठक का आयोजन मनरेगा के नाम बदलने पर चर्चा करने के लिए किया गया था, और उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकारें इसे लागू करने के लिए पैसे नहीं जुटा पाती हैं, तो यह ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का अंत कर देगा, क्योंकि अधिकांश राज्य आर्थिक संकटों का सामना कर रहे हैं।

कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों ने इस योजना के नाम बदलने और इसके दायरे को बदलने के खिलाफ विरोध करने की शपथ ली। लेकिन पूरी बैठक को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने सवालों से लगभग हाइजैक कर लिया, जब उन्होंने संगठन को चलाए जाने पर सवाल उठाया।

- किसी ने उनका प्रतिवाद नहीं किया, न ही उनके आरोपों के खिलाफ कोई तर्क प्रस्तुत किए।
- क्या, सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में छायी चुप्पी का मतलब है कि पार्टी के अन्य नेता भी दिग्विजय सिंह की राहुल के बारे में तीखी टिप्पणी और पार्टी के कामकाज के तरीके की कटु आलोचना से सहमत हैं।
- राहुल गांधी का कट्टर समर्थक, जय जगत ग्रुप, यहाँ तक कि राहुल गांधी के द्वारा मनोनीत संगठन महासचिव वेणुगोपाल भी चुप क्यों रहे?
- क्या दिग्विजय सिंह अकेले ही हैं, पार्टी व राहुल गांधी के खिलाफ एक तरह से विद्रोह का झंडा उठाने में, या कई और अन्य नेता भी दिग्विजय सिंह के साथ सहानुभूति रखते हैं और दिग्विजय सिंह के साथ हैं।
- पर, सी.डब्ल्यु.सी. के सभी सदस्य, दिग्विजय सिंह के प्रकरण को बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं, इसीलिए दिग्विजय सिंह का मसला सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक को ''हाइजैक'' करने में सफल हुआ।

क्या उनका हमला राहुल गांधी के प्रॉक्सी माने जाने वाले के.सी. वेणुगोपाल पर था? या फिर राहुल गांधी पर था, जो कभी भी छोटे मुद्दों पर ध्यान नहीं देते? या फिर यह हमला ''जय जगत'' पर था, जो राहुल गांधी पर काफी प्रभाव रखता है? संभवतः इन सभी पर था।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि आरएसएस एक खतरनाक संगठन है, लेकिन कांग्रेस के पास इसे चुनौती देने की शक्ति नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह संदेश देने में असमर्थ है कि वह भाजपा को चुनौती दे सकती है।

दिग्विजय सिंह ने यह भी कहा कि कांग्रेस का पूरा कामकाज केन्द्रीकृत हो चुका है और पार्टी इस स्थिति को संभालने में सक्षम नहीं है।

दिग्विजय सिंह ने इससे पहले नरेन्द्र मोदी की एक तस्वीर ट्वीट की थी, जिसमें वे एल.के. आडवाणी के चरणों में बैठे नज़र आ रहे थे, और कहा था कि भाजपा और आरएसएस के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह है भाजपा संगठन की ताकत।

उन्होंने कहा, समस्या कांग्रेस संगठन के साथ है, जो काम नहीं करता है। दिलचस्प बात यह है कि दिग्विजय सिंह ने यह स्पष्ट किया कि वे आरएसएस की तारीफ नहीं कर रहे थे, बल्कि यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि कांग्रेस आज कहां खड़ी है।

एक और ट्वीट में, उन्होंने राहुल गांधी की आर्थिक दृष्टिकोण की तारीफ की, लेकिन कहा कि उन्हें कांग्रेस और संगठन पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को मामलों के बारे में मनाना बहुत कठिन है।

इस बीच, कई सवाल उभरकर सामने आए हैं। क्या दिग्विजय सिंह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम में 10.56 लाख वोटर्स के नाम कटे

गुवाहाटी, 27 दिसम्बर। विधानसभा चुनाव से पहले असम में मतदाता सूची को दुरुस्त करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। चुनाव आयोग ने विशेष पुनरीक्षण (स्पेशल रिवीजन) के बाद राज्य की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी है। इस प्रक्रिया में 10 लाख 56 हजार 291 नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि इसका मकसद त्रुटिरहित और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना है, ताकि आने वाले चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए जा सकें।

चुनाव आयोग की ओर से जारी एकीकृत ड्राफ्ट सूची के अनुसार, असम में अब कुल 2 करोड़ 51 लाख 9 हजार 754 पंजीकृत मतदाता हैं। इस आंकड़े में 93 हजार 21 डी-वोटर शामिल नहीं हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन नामों को हटाया गया है, वे मृत्यु, स्थानांतरण या डुप्लीकेट प्रविष्टियों के कारण सूची में बने हुए थे। इन्हें हटाकर मतदाता सूची को साफ किया गया है।

- चुनाव आयोग ने एसआईआर के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की।

विशेष पुनरीक्षण के दौरान, कुल 10,56,291 नाम हटाए गए। इनमें से 4,78,992 नाम ऐसे थे, जिन मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी थी। वहीं, 5,23,680 मतदाता अपने पंजीकृत पते से दूसरी जगह स्थानांतरित पाए गए। इसके अलावा 53,619 ऐसे नाम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिग्विजय सिंह आखिर चाहते क्या हैं?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा और कांग्रेस के वर्किंग स्टाइल की आलोचना

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। ज्ञातव्य है कि एक हफ्ते पहले, उन्होंने पार्टी में सुधार की आवश्यकता के सम्बंध में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखा था। शनिवार सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 1990 के दशक की एक ब्लैक एंड वाइट फोटो को साझा करते हुए, उन्होंने भाजपा और उसकी वैचारिक मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ की, जो विभिन्न मुद्दों पर हमेशा कांग्रेस के निशाने पर रहे हैं।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कॉरा का एक स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, जिसमें भाजपा के दिग्गज नेता एल.के. आडवाणी गुजरात में एक कार्यक्रम में भाग लेते दिख रहे हैं। युवा पीएम मोदी को आडवाणी के पास फर्श पर बैठे हुए देखा जा सकता है। इस तस्वीर को लेकर, कांग्रेस नेता ने बताया कि आरएसएस और भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता, जो कभी जमीन पर बैठते थे, वे संघ-भाजपा के पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) में आगे बढ़कर किस तरह मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

- दिग्विजय सिंह ने प्र.मंत्री मोदी की एक फोटो शेयर की, जिसमें वर्ष 1996 में गुजरात में हुए एक कार्यक्रम में एल.के. आडवानी कुर्सी पर बैठे और मोदी उनके पास ज़मीन पर बैठे दिख रहे हैं।
- फोटो के साथ दिग्विजय सिंह लिखते हैं कि संघ के संगठन का इको सिस्टम ऐसा है कि एक साधारण कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री और यहाँ तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकता है।
- इससे पहले दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस, खासकर राहुल के बारे में एक्स पर लिखा और कहा, राहुल जी सामाजिक, आर्थिक मसलों पर आपकी सोच सटीक है, लेकिन जरा कांग्रेस के संगठन पर भी ध्यान दीजिए।
- इसी पोस्ट में वे लिखते हैं कि राहुल को मनाना बेहद कठिन है।

सिंह ने एक्स पर लिखा, ''मुझे यह तस्वीर कॉरा साइट पर मिली। यह बहुत प्रभावशाली है। जिस तरह से आरएसएस के जमीन से जुड़े स्वयंसेवक और जनसंघ-भाजपा के कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में बैठते हैं, और राज्य के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री बन जाते हैं, वह संगठन की शक्ति है। जय सिया राम।''

सिंह द्वारा साझा की गई फोटो 1990 के दशक की एक विशिष्ट फोटो है, जो गुजरात की राजनीति में प्र.मंत्री मोदी के उदय और उभार को दर्शाती है। यह तस्वीर 1996 में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ली गई बताई जाती है, जिसमें उस समय के शीर्ष भाजपा नेता शामिल हुये थे।

भाजपा ने सिंह के ट्वीट पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज किया है। पार्टी प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने कहा कि सिंह की टिप्पणी ने ''तानाशाह और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लीपा-पोती कर राज्यसभा में नया टर्म चाहते हैं दिग्विजय?

दिग्विजय का राज्यसभा में कार्यकाल नए वर्ष के आरंभ में खत्म होने जा रहा है और वे तीसरी बार राज्यसभा में जाना चाहते हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। संघ/भाजपा की तारीफ करने पर हुई आलोचना के बाद, सिंह अब लीपा-पोती में लगे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी तारीफ केवल आरएसएस/भाजपा के संगठनात्मक अनुशासन और संरचना के विस्तार तक सीमित थी, यह स्पष्ट करते हुए कि उनका सैद्धांतिक विरोध अभी भी बरकरार है।

लेकिन जो नुकसान होना था, हो चुका है। कहा जा रहा है कि दिग्विजय द्वारा की गई संघ/भाजपा की तारीफ असल में एक सौदेबाजी है, ताकि वे राज्यसभा के तीसरे कार्यकाल को सुनिश्चित कर सकें। दिग्विजय सिंह का राज्यसभा का दूसरा कार्यकाल अगले साल की शुरुआत में समाप्त हो रहा है, और कई कांग्रेस नेता जैसे कमलनाथ और मीनाक्षी नटराजन उनकी सीट के लिए प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में भी सिंह को जीतू पटवारी और उमंग सिंघार जैसे नेताओं से विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

- दिग्विजय सिंह का कार्यकाल खत्म होने से रिक्त होने वाली सीट के कई दावेदार हैं, जैसे कमलनाथ, मीनाक्षी नटराजन आदि और फिर मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नेता जीतू पटवारी आदि भी दिग्विजय सिंह के विरोधी हैं।

राहुल गांधी से पार्टी में आंतरिक सुधार करने की अपील करने के एक हफ्ते बाद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को उस समय एक विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने आरएसएस/भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की साफ-साफ शब्दों में सराहना करते हुए एक पुरानी तस्वीर साझा की।

आरएसएस/भाजपा के सबसे कठोर आलोचकों में से एक दिग्विजय सिंह द्वारा अप्रत्याशित तारीफ ने संघ-परिवार को खुश कर दिया है, जिन्होंने अक्सर कांग्रेस के ''पहले परिवार''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने अरावली विवाद पर लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों की परिभाषा में हाल ही में हुए बदलाव से पैदा हुई चिंताओं पर स्वतःसंज्ञान लिया है। ऐसी आशंका है कि बिना रोक-टोक के माइनिंग और गंभीर पर्यावरण नुकसान का रास्ता खुल सकता है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जे के महेश्वरी और जस्टिस ए जी मसीह की वेकेशन बेंच सोमवार 29 दिसंबर को मामले पर विचार करेगी।

- सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय वेकेशन बैंच सोमवार 29 दिसम्बर को मामले पर विचार करेगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में हिंदू, कसाई घर के जानवर की भाँति असहाय व भयतीत हैं

उनके पास बचने का कोई रास्ता नहीं है, न बचाने वाली कोई संस्था, जिसकी ओर बचाव के लिए देख सकें

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। बांग्लादेश के हिंदुओं को डर है कि अगर भारत अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करता, तो उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर हत्याएं हो सकती हैं।

चारों ओर से घिरे और बेबस महसूस कर रहे बांग्लादेश के हिंदू अपनी जान बचाने के लिए भारत से मदद की गुहार लगा रहे हैं। हिंदुओं ने वहां एक राजनीतिक पार्टी बनाई है और बांग्लादेश में चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा है।

कुछ प्रमुख लोग अब आने वाले संसदीय चुनाव के लिए उम्मीदवार तय करने में जुट गए हैं। बांग्लादेश माइनॉरिटी जातीय पार्टी (बीएमजेपी) उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दे रही है और नामांकन की अंतिम तिथि से पहले कागजात दाखिल करने की तैयारी कर रही है।

- थक हार कर, हिंदुओं ने एक राजनीतिक पार्टी बनाने का निर्णय लिया है, जो आगामी चुनाव में उम्मीदवार खड़ा करेगी।
- इस पार्टी ने, भारत सरकार से आग्रह भी किया है, बॉर्डर खोल दें, जिससे हिंदुओं के समक्ष सीमा पार जाने का विकल्प तो हो, अन्यथा प्रेशर कूकर जैसे उन पर प्रेशर बढ़ता ही जाता है और प्रेशर रिलीज़ करने का कोई रास्ता नहीं है।
- अगर भारी संख्या में हिंदू पलायन भी करते हैं तो भारत सरकार को यह स्थिति मान्य नहीं होगी और कुछ करने के लिए भारत सरकार बाध्य होगी। बांग्लादेश सरकार भी समझ रही है, यह अंजाम हो सकता है। अतः हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान करने को मजबूर होगी।

यह नई पार्टी भारत से अपील कर रही है कि वह बांग्लादेश के प्रति अपनी नीति में तुरंत बदलाव करे। अब तक भारत केवल अवामी पार्टी से ही बातचीत करता रहा है और अन्य राजनीतिक दलों को नजरअंदाज किया गया है। अब अगर भारत देश की अन्य प्रमुख पार्टियों के साथ बातचीत शुरु करता है तो इससे फर्क पड़ेगा।

वैसे भी, हिंदू समुदाय देश में नरसंहार और बड़े पैमाने पर हत्याओं के डर में जी रहा है और उनकी रक्षा के लिए कोई ठोस संस्थागत व्यवस्था नहीं है। इस स्थिति में, हताश हिंदू लोग, राजनीतिक संगठनों के माध्यम से हिन्दुओं की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए जो बुनियादी शर्तें होती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्रीगंगानगर : बीएसएफ कैंप ग्राउंड में रनिंग टेस्ट के दौरान अभ्यर्थियों पर मधुमक्खियों का हमला

मधुमक्खियों ने करीब 60 कैंडिडेट्स को डंक मारा, सेना की एंबुलेंस व 108 से 18 कैंडिडेट्स को अस्पताल में भर्ती कराया

- हादसे के बाद पहले बैच के रनिंग टेस्ट को रद्द कर तारीख आगे बढ़ाते हुए 19 जनवरी को दोबारा दौड़ के लिए बुलाया गया
- मधुमक्खियों से बचने के लिए अभ्यर्थी इधर-उधर भागने लगे, लेकिन मधुमक्खियों ने पीछा नहीं छोड़ा, कई गिर पड़े, एक अभ्यर्थी बेहोश हो गया

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की कांस्टेबल ट्रेड्समैन भर्ती में शामिल होने आए अभ्यर्थियों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इसमें 18 कैंडिडेट्स घायल हो गए, जिन्हें सेना की एंबुलेंस व 108 के जरिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से तीन जने गंभीर घायल हो गए।

जैसे ही अभ्यर्थियों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया तो एमरजेंसी में डॉक्टरों व नर्सिंग स्टॉफ की पूरी टीम अभ्यर्थियों के इलाज में जुट गई। कई अभ्यर्थी मधुमक्खियों के डंक से कहरा रह थे तो कुछ को यह चिंता सता रही थी कि दौड़ बीच में छूट गई, अब क्या होगा। अधिकतर अभ्यर्थी कहते नजर आए कि उन्होंने भर्ती के लिए बीते 6-8 माह से लगातार प्रयास किए हैं। कुछ ही समय में वे दौड़ भी पूरी कर लेते, लेकिन अब घर क्या बताएंगे। बीएसएफ के जवान भी जिला अस्पताल के स्टॉफ का हर संभव सहयोग कर रहे थे। साथ ही सांत्वना भी देते दिखे कि परेशान ना हो। पीएमओ डॉ. सुखपाल सिंह बराड़, डीसी डॉ. ज्योत्सना चौधरी, डॉ. मनवीर, एमरजेंसी इंचार्ज राकेश कुमार, नर्सिंग ऑफिसर राहुल कुमार व सुनील यादव आदि ने पूरा सहयोग किया। एमरजेंसी इंचार्ज राकेश कुमार का कहना था कि शाम चार बजे तक ज्यादातर अभ्यर्थियों को डिस्चार्ज कर दिया गया था।

जानकारी के अनुसार 48वीं बटालियन बीएसएफ कैंप ग्राउंड में रनिंग टेस्ट के दौरान पहले राउंड में 100 अभ्यर्थी दौड़ रहे थे। इसी दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। देखते ही देखते अफरा-तफरी का माहौल हो गया। मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए अभ्यर्थी इधर-उधर भागने लगे, लेकिन मधुमक्खियों ने पीछा नहीं छोड़ा। कई गिर पड़े, वहीं एक अभ्यर्थी बेहोश भी हो गया। मधुमक्खियों ने करीब 60 कैंडिडेट्स को डंक मारा, इनमें 18 जनों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार भर्ती का पहला दिन था। करीब 700 अभ्यर्थी बुलाए गए थे। हादसे के बाद पहले बैच के रनिंग टेस्ट को रद्द कर दिया गया और तारीख आगे बढ़ाते हुए 19 जनवरी को दोबारा दौड़ के लिए बुलाया गया है।

जानकारी के अनुसार भर्ती के लिए 24 मिनट में 5 किमी. दौड़ के लिए 12 राउंड पूरे करने थे। जोधपुर जिले में भोपालगढ़ के जाटों की ढाणी, निवासी आन्नाराम बेडा ने बताया कि पिछले दो माह से लगातार दौड़ की तैयारी कर रहा है। 24 मिनट में 12 राउंड पूरे करने के लिए 5 किमी की दौड़ तय की गई थी। 8 राउंड पूरे कर लिए, 9 वें राउंड में मधुमक्खियों ने अचानक हमला कर दिया। 8 मिनट 32 सैकिंड शेष थे, आराम से दौड़ पूरी कर लेता, लेकिन अब खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। सीकर जिले के पाटन तहसील के गांव खारिया निवासी सुंदर यादव का कहना है कि पिता ताराचंद यादव किसान हैं। भर्ती के लिए 6 माह से अथक प्रयास कर रहा था। 10 राउंड भी पूरे कर लिए थे। 11 वें राउंड में एक साथ कई मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। मैं गिर गया और बेहोश हो गया। यदि सब कुछ ठीक रहता तो महज 18-19 मिनट में ही 12 राउंड पूरे कर लेता। 19 जनवरी को पुनः भर्ती के लिए श्रीगंगानगर आऊंगा।

आन्नाराम बेडा सुंदर यादव उप परियोजना निदेशक आत्मा सुदेश कुमार ने बताया कि कि ठंड के महीनों में मधुमक्खियां आक्रामक नहीं, बल्कि खुद को और अपने छत्ते को बचाने के लिए सतर्क हो जाती हैं। एक सर्दियों में फूलों की संख्या काफी कम हो जाती है, जिससे मधुमक्खियों को भोजन की कमी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में वे अपने छत्ते में जमा शहद की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। ठंड से बचने के लिए पूरा झुंड छत्ते के अंदर सिमटकर रहता है और शरीर की गर्मी बनाए रखता है। इस दौरान अगर छत्ता हिलता है, तेज़ आवाज़ होती है या कोई व्यक्ति बहुत पास चला जाता है तो मधुमक्खियां इसे सीधे हमले के रूप में लेती हैं और समूह में प्रतिक्रिया करती हैं। बीएसएफ ने भी इस बारे में पहले ही जिला अस्पताल को सूचना दे दी थी।

गुजरात से लापता व्यक्ति का शव डूंगरपुर में मिला

- बेटे ने शव देखकर पहचान की, चार दिन पहले घर से बिना बताए निकला था

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागडा थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव में शुक्रवार को कुएं में मिले शव की पहचान हो गई है। यह शव गुजरात के अरवल्ली जिले के मेघरज निवासी नवीन भाई पांडोर का है, जो चार दिन से लापता थे। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

रामसागडा थाना पुलिस के अनुसार, नवीन भाई पांडोर के बेटे दीपेन कुमार पुत्र नवीन भाई पांडोर निवासी वाटा पाणीबार, मेघरज, जिला अरवल्ली ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। दीपेन कुमार ने बताया कि उनके पिता नवीन भाई पांडोर 23 दिसंबर को घर से बिना बताए निकल गए थे। परिवार के सदस्यों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच, 26 दिसंबर को वीरपुर गांव में एक कुएं में एक व्यक्ति का शव मिला। शव को डूंगरपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था। परिजनों को जब नवीन भाई पांडोर के शव मिलने की सूचना मिली, तो वे शनिवार को डूंगरपुर पहुंचे। मोर्चरी में शव देखने के बाद उसकी पहचान नवीन भाई पांडोर के रूप में की गई। इसके बाद परिजनों ने घटना के संबंध में पुलिस को रिपोर्ट दी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

युवती ने आत्महत्या की : उदयपुर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में युवती ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार खेड़ापाल बिछीवाड़ा डूंगरपुर हाल हिरणमगरी पानेरियों की मादड़ी निवासी सुनीता कटारा पुत्री सामेश्वर कटारा ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। सुनीता पढ़ाई करती थी एवं किराणा दुकान पर काम करती थी। गुरूवार शाम सुनीता जडाव नर्सरी के समीप स्थित रेल्वे पुल के पास अचेत अवस्था में मिली, जिसे निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां से प्राथमिक उपचार बाद रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। वहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। जीवननाथ एएसआई ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली

उदयपुर, (निसं)। कुराबड़ थाना क्षैत्र में रेती स्टैण्ड की तरफ अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली। जिसे एएसआई जीवननाथ ने मौके से हटाकर चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की उम्र करीब पचास वर्ष रंग गेहुआ, कद 5.5 फीट, सिर पर सफेद बाल व मुंह पर सफेद दाढी, सफेद टी शर्ट, ब्लू करल पेंट पहने हैं।

युवती ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में एक युवती ने घर में फांसी लगाकर सुसाईड कर लिया। पुलिस ने शनिवार को मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि पूनम कॉलोनी निवासी राखी वर्मा (30) ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नही आया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

क्लिंकर हटाने के दौरान बायलर क्षतिग्रस्त, जेईएन समेत कई मजदूर घायल

छबड़ा में सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की छठी इकाई में विद्युत उत्पादन ठप होने थर्मल को करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा है

- सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट की 660 मेगावाट की छठी इकाई के बायलर में कठोर राख के ढेर जमा हो जाने से 24 दिसंबर रात 11 बजे से विद्युत उत्पादन ठप हो गया था
- तकनीकी अधिकारियों द्वारा बायलर की सफाई की जा रही थी, इसी दौरान बायलर में जमे क्लिंकर का कुछ हिस्सा गिर गया था
- विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने थर्मल अधिकारियों पर बायलर के मेंटेनेंस के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की

छबड़ा, (निसं)। सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की छठी इकाई के बायलर में क्लिंकर जमा हो जाने के चलते तीन दिन पूर्व इकाई से विद्युत उत्पादन ठप हो गया है। तकनीकी अधिकारियों द्वारा शनिवार तड़के क्लिंकर हटाने के दौरान बायलर क्षतिग्रस्त हो गया और जेईएन समेत तीन-चार मजदूर घायल हो गए।

थर्मल सूत्रों के अनुसार सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट की 660 मेगावाट की छठी इकाई के बायलर में कठोर राख के ढेर जमा हो जाने से 24 दिसंबर रात 11 बजे से विद्युत उत्पादन ठप हो गया। शनिवार तड़के 5-6 बजे तकनीकी अधिकारियों द्वारा बायलर की सफाई की जा रही थी। इसी दौरान बायलर में जमे क्लिंकर का कुछ हिस्सा गिर गया, जिससे बायलर क्षतिग्रस्त हो गया और यहां काम कर रहे जेईएन सहित 3-4 मजदूर घायल हो गए। सुपर क्रिटिकल प्लांट के तकनीकी सहायक एक्सईएन जगदीश गुप्ता ने बताया कि बायलर में क्लिंकर जमा होने के चलते विद्युत उत्पादन ठप हो गया है। बायलर से क्लिंकर हटाए जाने की प्रक्रिया चल रही हैं। इस मामले में चीफ इंजिनियर दिनेश सिंह से संपर्क नहीं हो सका। विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने थर्मल अधिकारियों पर बायलर के मेंटेनेंस के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है और रखरखाव के लिए जिम्मेदार दोषी अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है। वहीं, विद्युत उत्पादन ठप होने व बायलर के क्षतिग्रस्त होने से थर्मल को करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा है।

गौरतलब है कि थर्मल पावर प्लांट के बॉयलर में क्लिंकर (राख के कठोर जमाव) जमने से यूनिट बंद हो जाती है क्योंकि ये जमाव बॉयलर ट्यूब्स को नुकसान पहुंचाते हैं, गर्मी के प्रवाह को रोकते हैं और अंततः गिरकर बॉयलर के निचले हिस्सों को तोड़ सकते हैं, जिससे उत्पादन रुक जाता है और रखरखाव की जरूरत पड़ती है। कोयले की गुणवत्ता, अत्यधिक तापमान और एयरफ्लो के असंतुलन जैसी चीज़ें इसके मुख्य कारण हैं।

शून्य नामांकन वाले 31 जिलों के 97 स्कूल बंद

- स्कूलों को बंद कर पास के ही स्कूल में मर्ज किया

बीकानेर, (निसं)। नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले ही शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 31 जिलों के 97 विद्यालय बंद कर दिए गए। इसमें 88 प्राथमिक और 9 उच्च प्राथमिक स्कूल हैं। शून्य नामांकन होने के कारण इन स्कूलों को बंद कर पास के ही स्कूल में मर्ज कर दिया है। जोधपुर जिले के सबसे अधिक 13 स्कूलों को बंद किया गया है, जबकि बीकानेर का एक स्कूल इस सूची में शामिल है।

बीकानेर के नोखा ब्लॉक के स्कूल को पास के स्कूल में मर्ज किया गया है। पिछले महीने प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने शून्य नामांकन वाले स्कूलों की रिपोर्ट संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों से मंगाई थी। राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इन स्कूलों को सुव्यवस्थित करते हुए पास के स्कूल में मर्ज करने के निर्देश जारी किए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मर्ज होने के बाद संबंधित प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल की समस्त संपत्तियां जैसे भूमि, भवन, खेल मैदान, फर्नीचर, शैक्षणिक उपकरण आदि पर जिस में मर्ज किया गया है उसी स्कूल का ही अधिकार होगा।

जानकारी के अनुसार राज्य में लगभग 230 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में नामांकन शून्य है। वर्तमान में प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय की ओर से 97 स्कूलों को मर्ज करने के आदेश जारी किए गए हैं। शून्य नामांकन वाले अन्य लगभग 133 ऐसे प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय जिनका एकीकरण पास के उच्च माध्यमिक स्कूलों में किया जाना है, इस संबंध में आदेश माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी किए जाएंगे। इन 97 स्कूलों से अधिशेष हुए कार्मिकों को जहां अधिक नामांकन है उन स्कूलों में रिक्त पदों पर लगाया जाएगा। स्टाफिंग उपरांत अधिशेष शिक्षकों के पदस्थापन होने तक इन कार्मिकों को कार्य व्यवस्थार्थ उसी पीईईओ क्षेत्र के अन्य सरकारी स्कूल में लगाए जाने के निर्देश संबंधी जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक को दिए गए हैं, जहां नामांकन की अपेक्षा कार्यरत शिक्षक कम है।

युवक ने की आत्महत्या

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में युवक ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज करवाया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सविना थाना क्षैत्र निवासी कमलेश पुत्र हेमराज चौधरी ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। कमलेश ऑटा चक्की चलाता है एवं प्रोपर्टी का काम भी करता है। गत दिनों उसने रजा कॉलोनी निवासी शाहीद पुत्र चांद मोहम्मद को एक भूखण्ड बेचा था। कुछ दिनों बाद शाहिद ने भूखण्ड का सौदा निरस्त कर रूपये मांगना शुरू कर दिया था। इसको लेकर परेशान कमलेश ने विषाक्त वस्तु सेवन कर चक्की पर जाकर सो गया था। शनिवार सवेरे जाग नहीं होने पर परिजनों ने देखा तो वह अचेतावस्था में पड़ा था, जिसे परिजन चिकित्साल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर सविना थानाधिकारी भंवरलाल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। हेमराज चौधरी ने शहिद के खिलाफ आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज करवाया है।

वांछित योग्यता जांचे बिना फॉर्म भरने वाले ई-मित्र संचालकों पर होगी कार्रवाई

आरपीएससी ने प्रदेश में संचालित 80 हजार ई-मित्र कियोस्क संचालकों द्वारा की जा रही गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया

- आयोग ने स्पष्ट किया है कि गलत तरीके से आवेदन भरना केवल अभ्यर्थी की गलती ही नहीं है, ऐसा करने वाले ई-मित्र संचालक भी अपराध के भागीदार हैं
- आयोग ने राज्य के सभी जिला कलैक्टरों से भी आग्रह किया है, कि वे अपने जिले के ई-मित्र संचालकों की निगरानी करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करें

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने प्रदेश में संचालित 80 हजार ई-मित्र कियोस्क संचालकों द्वारा की जा रही गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने पाया है कि कई ई-मित्र संचालक बिना शैक्षणिक योग्यता जांचे ही अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन भर रहे हैं, जिसके कारण विभिन्न भर्तियों के तहत बड़ी संख्या में अपात्र अभ्यर्थियों के आवेदन आयोग को प्राप्त हो रहे हैं। इस संबंध में आयोग द्वारा सूचना एवं प्रौद्योगिकी और संचार विभाग को ई-मित्र संचालकों को निर्देशित करने के संबंध में पत्र प्रेषित किया जा चुका है।

आयोग सचिव ने बताया कि जब भी किसी भर्ती का विज्ञापन निकलता है, तो ई-मित्र संचालक अभ्यर्थी की मूल शैक्षणिक योग्यता की जांच नहीं करते। वे केवल मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के जरिए आवेदन पत्र भर देते हैं। इस लापरवाही के कारण कई भर्तियों में लाखों की संख्या में ऐसे अभ्यर्थी आवेदन कर देते हैं जो उस पद के लिए वांछित शैक्षणिक योग्यता तक नहीं रखते हैं। इससे परीक्षाओं के आयोजन में अनावश्यक श्रम, समय और सरकारी धन की बर्बादी होती है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि गलत तरीके से आवेदन भरना केवल अभ्यर्थी की गलती ही नहीं है। ऐसा करने वाले ई-मित्र संचालक भी भारतीय न्याय संहिता की धारा 217 के तहत अपराध के भागीदार हैं। आयोग ने राज्य के सभी जिला कलैक्टरों से भी आग्रह किया है, कि वे अपने जिले के ई-मित्र संचालकों की निगरानी करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करें।

आयोग के कड़े निर्देश, अनिवार्य जांच :- अब ई-मित्र संचालकों को फॉर्म भरने से पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि अभ्यर्थी के पास उस पद के लिए आवश्यक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता है या नहीं। प्रदेश के सभी ई-मित्र संचालकों को इस संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश देने के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को कहा गया है।

128 वाहनों का चालान काटे

पावटा। प्रागपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने एवं सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लेन ड्राइव सिस्टम के तहत विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले कुल 128 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले मे लेन ड्राईव सिस्टम के तहत अवैध थानाधिकारियो को निर्देशित किया गया था। अ्पुलिस अधीक्षक कोटपुतली जिला कोटपूतली-बहरोड नाजिम अली के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर उमेश कुमार निठारवाल के निर्देशन मे थानाधिकारी पुलिस थाना प्रागपुरा भजनाराम के नेतृत्व मे टीम का गठन कर लेन ड्राइव सिस्टम का पालन न करने, गलत दिशा में वाहन चलाने, बिना हेलमेट व सीट बेल्ट के वाहन संचालन सहित अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर 128 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही कर एमवीएक्ट के तहत 128 चालान किये।

नशे में पुलिस पर कार चढ़ाने का प्रयास, चालक गिरफ्तार

- पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए कूदकर जान बचाई

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने नाकाबन्दी के दौरान नशे में धुत्त कार चालक द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से कार चढ़ाने के प्रयास एवं नाकाबंदी तोड़ राजकार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में कार्यवाही करते हुए कार चालक को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों की रोकथाम व यातायात नियमों की पालना हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि अनंतपुरा थाने के सहायक उप निरीक्षक कुन्दन कुमरा के नेतृत्व में पुलिस टीम बरड़ा बस्ती चौराहे पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग कर रहे थे, उसी दौरान पुलिस टीम को एक कार तेज गति व लापरवाही से आती हुई दिखाई दी। शहर एसपी ने बताया कि नाकाबन्दी के दौरान पुलिस टीम ने जब कार चालक को रूकने का इशारा किया तो चालक ने कार को रोकने के बजाय पुलिस टीम पर चढ़ाने का प्रयास किया, तो पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए कूदकर अपनी जान बचाई। कार चालक ने हड़बड़ाहट में नशे में धुत्त होकर कार को बैरिकेट पर दे मारा जिससे सरकारी संपति को नुकसान हुआ। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार का पीछा कर चालक को रोककर कार्यवाही करते हुए अजय आहुजा नगर रंगबाड़ी निवासी देवेन्द्र सिंह हाड़ा (27) को गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर ब्रेथ एनालाइजर से चेक किया तो कार चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। पुलिस टीम ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर क्षतिग्रस्त कार को जप्त कर लिया है।

तीन फरार आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाये जा रहे विशेष अभियान वांछित अपराधियों के विरूद्ध के तहत थानाधिकारी डिग्गी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाने में दर्ज प्रकरण में 9 माह से फरार आरोपी भागचन्द पुत्र शंकरलाल मीणा निवासी भीपुर को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को जब्त किया गया है। इसी क्रम में थानाधिकारी घाड़ के नेतृत्व में गठित टीम न्यायायल से फरार स्थायी वारंटी हीरालाल पुत्र लक्ष्मीनारायण को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार थाना झिराना पुलिस टीम द्वारा एक वर्ष से अधिक समय से पुराने प्रकरण में फरार आरोपी महावीर प्रसाद मीना को गिरफ्तार किया गया, जिसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन को लेकर फिल्म अभिनेता सलमान खान को नोटिस

कोर्ट ने 20 जनवरी को सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया

- पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन का आरोप लगाते हुए फिल्म अभिनेता सलमान खान सहित अन्य के खिलाफ कोटा के उपभोक्ता न्यायालय में वाद पेश किया गया था
- कोटा उपभोक्ता न्यायालय ने सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने हस्ताक्षर का नमूना देने के आदेश दिया, इस मामले में न्यायालय के आदेश के अनुसार हस्ताक्षरों की जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी

कोटा, (निसं)। पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन का आरोप लगाते हुए फिल्म अभिनेता और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान सहित अन्य के खिलाफ कोटा के उपभोक्ता न्यायालय में वाद पेश किया गया था। इसमें सलमान खान की तरफ से भी जवाब पेश कर दिया गया था, लेकिन इस जवाब में सलमान खान के हस्ताक्षर को फर्जी बताते हुए परिवादी ने फॉरेंसिक जांच की मांग की है। इसे उपभोक्ता न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। साथ ही 20 जनवरी को सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया है।

अधिवक्ता रिपुदमन सिंह ने बताया कि 27 नवंबर को पान मसाला के विज्ञापन को लेकर इंद्र मोहन सिंह हनी ने परिवाद पेश किया था। जिसमें उन्होंने बताया था कि सलमान खान एक पान मसाला का विज्ञापन करते हैं। इसमें पान मसाला को केसर युक्त बताया जा रहा है जबकि ऐसा नहीं होता है। केसर के दाम और पान मसाला के दाम में भारी अंतर है। इस भ्रामक विज्ञापन के चलते युवा भ्रमित हो रहे हैं। इसके संबंध में सलमान खान में जवाब पेश किया है जिसमें सलमान खान ने बताया कि वह उन पर लगाए गए आरोप से भली-भांति परिचित हैं। इस मामले में वह प्रतिवादी नंबर दो हैं। साथ ही उन्होंने आपत्ति जताई है कि वर्तमान क्षेत्राधिकार के शिकायत को विवादित बताया है। ऐसे में सलमान खान ने अपना नाम प्रतिवादी दो से विलोपित करने की मांग की है। इसको लेकर उपभोक्ता न्यायालय में सुनवाई हुई थी। परिवादी ने सलमान के जवाब को लेकर आपत्ति दर्ज की है। इस पर उपभोक्ता न्यायालय कोटा ने अभिनेता सलमान खान को 20 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया। इसके साथ ही उनके हस्ताक्षर की भी फॉरेंसिक जांच करने के निर्देश दिए हैं जिसके लिए सलमान खान को स्वयं न्यायालय में उपस्थित होकर अपना हस्ताक्षर नमूना देने होगा। इसकी तुलना प्रस्तुत दस्तावेजों से कराई जाएगी। इस मामले में न्यायालय के आदेश के अनुसार हस्ताक्षरों की जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

आपसी कहासुनी में दो युवकों पर हमला, आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। गोगुन्दा कस्बे में आपसी कहासुनी के दौरान आरोपी ने चाकू से हमला कर युवक व साथी को घायल कर दिया। मामले में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इधर, घटना के विरोध में गोगुन्दा का बाजार आधे दिन बंद रहा।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश पुत्र लक्ष्मीलाल व उसके साथी चेतन पुत्र किशनलाल नायक पर आरोपी उदयपुर निवासी शाहनवाज पुत्र फिरोज चाकू से हमला कर फरार हो गया। दिनेश व शाहनवाज दोनों साथ मजदूरी करते हैं। शुक्रवार को दिनेश बस में बैठकर गोगुन्दा जा रहा था, जहां फतहपुरा से शाहनवाज भी बस में बैठा और बीच रास्ते दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। गोगुन्दा बस से उतरने पर शाहनवाज ने चाकू से दिनेश पर हमला किया तथा बचाव में आए चेतन पर हमला कर फरार हो गया। दोनों को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। घटना का पता चलने पर ग्रामीणों ने आक्रोषित होकर आरोपी के साथ मारपीट की तथा सख्त कार्यवाही की मांग पर अड़ गए। घटना के विरोध आधा दिन गोगुन्दा बाजार भी बंद रहे। इधर, मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक के सुपरविजन में गोगुन्दा थानाधिकारी श्यामसिंह ने आरोपी शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया है।

अवैध मादक पदार्थ सहित दो गिरफ्तार : कोटा के भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान अवैध मादक पदार्थ 1 किलो 485 गांजा सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गौदारा ने मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान अजय आहुजा पार्क माला रोड़ के पास बारां के धाकड़खेड़ी निवासी बबलू मेघवाल (23) एवं कच्ची बस्ती रंगबाड़ी निवासी लखन सोनी (25) के पास से अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद कर एनडीपीएस एक्ट में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

तीन दुकानों के ताले तोड़ नगदी व सामान चोरी

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके में शुक्रवार देर रात्रि को अज्ञात चोर तीन दुकानों के ताले तोड़कर दुकान में रखी नकदी व अन्य सामान लेकर फरार हो गये। तीन दुकानों में से एक दुकान में लगे सीसीटीवी में चोरी का घटनाक्रम कैद हो गया। पुलिस ने दुकानदारों की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि इलाके के आंवली रोजड़ी में अज्ञात चोर पलक निधि बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान, शिव कृपा मार्बल की दुकान एवं श्रीराम ज्वैलर्स की दुकान के ताले तोड़कर दुकान में से नकदी व अन्य सामान चोरी करके ले गये। पुलिस ने बताया कि तीनों दुकानदारों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। तीनों दुकान में से अज्ञात चोर बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान में से 15 हजार नकदी, मार्बल व ज्वैलर्स की शॉप से अज्ञात चोर नकदी व चांदी के आभूषण चोरी करके ले गये। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालोर
क्रमांक- अ.अ./चि.एवं स्वा./2025-26/3241-49 दिनांक- 18.12.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 28/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 48.50 लाख के 1 सिविल कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधी विवरण डीआईपीआर की वेबसाईट WWW.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB NO. MHS2526A3824
1. MHS2526WSOB05569
(राम कुमार कुर्डिया)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर
DIPR/C/19015/2025

उदयपुर में शीतलहर ने कड़ाके की सर्दी का अहसास कराया, तापमान सात डिग्री दर्ज

तापमान में गिरावट के साथ ही शुक्रवार की रात इस सीजन की ठंडी रात रिकॉर्ड की गई

उदयपुर, (निस)। लेकसिटी में सर्दी शुरू हुए दो माह बीतने को आ गए, लेकिन हर साल जिस तरह सर्दी अपने जमाव बिंदु तक पहुंचने लगती है, वैसा अब तक देखने को नहीं मिला। लेकिन मौसम विभाग के प्रदेश में शीत लहर की संभावना के बीच उदयपुर में भी दो दिनों से ठंडी हवाएं चल रही है और शीतलहर ने कड़ाके की सर्दी का असर दिखा दिया है। वहीं तापमान में भी गिरावट के साथ ही शुक्रवार की रात इस सीजन की ठंडी रात रिकॉर्ड की गई। इस बार न्यूनतम तापमान अब तक आठ डिग्री से नीचे नहीं गया। वहीं दिन का तापमान भी कई बार 30 डिग्री के करीब पहुंच जाने से सर्दी में स्थिरता बनी हुई थी लेकिन बीते चार दिनों में दिन व रात के तापमान में कमी हो रही है।

डूंगरपुर में सर्द हवाओं के बीच शहर में लोग अलाव तापते नजर आये।

बुधवार को तापमान 11.6 डिग्री पर था जो तीन दिनों में साढ़े चार डिग्री कम होकर 7 डिग्री पर जा पहुंचा। वहीं शुक्रवार को यह तापमान क्रमशः 9.1 डिग्री था, जिसमें आज दो डिग्री की कमी हुई है। वहीं दिन का तापमान भी घटकर 23.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सर्दी का यह रूप नए साल के शुरूआत तक बना रहेगा। शीतलहर के थमने के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी होगी। दिसम्बर माह में दिन का तापमान अधिक रहा और यह 25 से 30 डिग्री के बीच घूमता रहा लेकिन शीतलहर कई बार रात को चली, लेकिन करीब दो-तीन घंटों में भी ही इसका असर कम होने से अब तक न्यूनतम और जमाव बिंदु की ओर तापमान नहीं पहुंचा। हालांकि दिसम्बर माह के अंत में हर साल तापमान 5 डिग्री से नीचे पहुंच जाता है, लेकिन अब भी यह सात डिग्री बना हुआ है।

सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई

डूंगरपुर, (निसं)। जिलेभर में दिसम्बर माह के अन्तिम चरण में शनिवार प्रातः सही सर्द हवाओं ने अपना रूप दिखाना प्रारंभ कर दिया, जिसके चलते आमजन को जो अभी तक सर्दी के मौसम को लेकर असमंजस्य की स्थिति में था, उसको आज पूरा विराम देते हुए सर्द हवाओं के रूप में अपना जलवा दिखाया तो लोगों ने ऊनी वस्त्रों को पहनने की जुगत की।

जहां अलसुबह मौसम में आई नमी व सर्द हवाओं ने सामान्य जन जीवन को पूरी तरह रोक कर रख दिया और आलम यह रहा है कि आमजन को समय का एहसास ही नहीं हो रहा था, और इसी के चलते के आठ बजे बाद मौसम में बदलाव के बाद सूर्यदेव के दर्शन हुए और फिर दिनभर सूर्यदेव एवं बादलों के बीच लूकाछिपी का खेल चलता रहा। जिससे सर्द हवाओं ने आमजन को घरों में कैद करके रख दिया। मौसम में बदलाव का पूर्वांचल राज्यों में लगातार बर्फबारी का परिणाम अब तटीय व मैदानी क्षेत्रों में भी देखने को मिल रहा है। शनिवार को अलसुबह से ही सूर्य के दर्शन नहीं हुए तो वहीं सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। शहर की सड़कों पर वाहनधारियों से लेकर राहगीर ठंड से बचाव के लिए ऊनी वस्त्रों का साथ ही कम्बल ओडे देखे गए। तो वहीं शहर की पहाड़ियां धुंध से अटी हुई दिखने के कारण अदृश्य ही रही। वहीं अल सुबह दफ्तर जाने के लिए निकलने वाले लोग भी सर्दी से बचने के लिए जतन करते हुए नजर आए। लोगों ने अपने खानपान का जायका भी बदला और घरों व दफ्तरों में सर्दियों के लड्डू व चाय की चुस्कियां लेते दिखे। गांवों से आने वाले लोगों को ऊनी वस्त्रों की स्टॉल पर खरीददारी करते भी देखा गया।

चोरों ने ज्वैलरी दुकान व मकान से लाखों का माल पार किया

मनोहरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के खोरा लाडखानी गांव में शुक्रवार रात्रि चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए एक ज्वैलरी की दुकान और एक मकान के पीछे की दीवार तोड़कर लाखों रुपये का माल पार कर लिया। चोरी की घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

■ चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार व मकान की जाली तोड़कर वारदात की

खोरा लाडखानी गांव निवासी जगदीश प्रजापत की ज्वैलरी की दुकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। दुकान मालिक शुक्रवार शाम को रोजाना की तरह दुकान बंद कर घर चला गया था। रात के अंधेरे में चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दुकान में रखा लाखों रुपये का जेवरात व कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। इसी रात चोरों ने गांव निवासी सुरेंद्र जांगिड़ के मकान को भी निशाना बनाया। चोरों ने मकान के पीछे की दीवार में लगे जंगले को तोड़कर अंदर घुसकर नगदी व जेवरात चोरी कर लिए। सुबह जब मकान मालिक जागा तो घर के अंदर सामान बिखरा देख उसके होश उड़ गए।

चोरी की वारादात के बाद दुकान में सामान बिखरा पड़ा है।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह एवं हेड कांस्टेबल रमेश पोया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर मौका रिपोर्ट तैयार की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित जगदीश प्रजापत और सुरेंद्र जांगिड़ ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने रामदास महाराज को श्रद्धांजलि दी

सेवर स्थित लुधावई बड़ा हनुमान मंदिर के महंत राम दास महाराज को सीएम भजन लाल ने श्रद्धांजलि दी।

भरतपुर, (निसं)। सेवर स्थित लुधावई बड़ा हनुमान मंदिर के महंत राम दास महाराज के देवलोकगमन पर सीएम भजन लाल शर्मा ने उन्हे श्रद्धांजलि दी। सीएम भजनलाल शर्मा अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बड़ा हनुमान मंदिर पहुंचे और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में भाग लिया। सीएम भजनलाल शर्मा महंत राम दास महाराज को अपना गुरु मानते थे, वे हर गुरु पूर्णिमा को उनकी पूजा करते थे और परिवार के साथ आशीर्वाद लेते थे। मुख्यमंत्री शर्मा श्रद्धांजलि देने के बाद जयपुर रवाना हो गए। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। महंत रामदास महाराज के देवलोकगमन से भरतपुर के लोगों में शोक की लहर है। उनके अनुयायी और प्रशंसक उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए मंदिर पहुंचे। लुधावई मन्दिर के महंत का सम्पूर्ण जीवन भक्ति, त्याग, करुणा और सनातन धर्म के मूल्यों की सेवा में समर्पित रहा। वे केवल एक संत ही नहीं, बल्कि असंख्य श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक पथ प्रदर्शक और प्रेरणास्त्रोत थे। उनके सानिध्य से मिली शिक्षा और आशीर्वाद सदैव स्मृतियों में जीवित रहेंगे।

अरावली पहले से संरक्षित और आरक्षित : बैरवा

टोंक, (निसं)। बैरवा समाज के 20वें प्रतिभा सम्मान समारोह में शनिवार को पंहुचे मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने अरावली मुद्दे पर कहा कि अरावली राष्ट्रीय धरोहर है। हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि अरावली पहले से ही संरक्षित है, पहले से ही आरक्षित है। अरावली पर अब भी कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। अब इसका कोई राजनीतिक अड़ंगा बनाते हैं, तो यह ठीक नहीं है। अरावली के संरक्षण को लेकर हम सब साथ हैं।

डिप्टी सीएम बैरवा ने चौमूं में हुए उपद्रव को लेकर कहा कि हमारे मुख्यमंत्री ने पहले से ही कानून व्यवस्था को सख्त किया है, कानून अपना काम कर रहा है। इस तरह के उपद्रव आगे नहीं हो, इसको लेकर के कानून अपना काम कर रहा है। चौमूं में जो भी है वह सब निगरानी में है। कानून अपना काम कर रहा है, प्रशासन मुख्यमंत्री के निर्देशन में अपना काम कर रहा है, प्रदेश में जो भी काम होता है वह पारदर्शी तरीके से होता है। भाजपा पारदर्शी तरीके से और एक विजन लेकर काम करती है इसलिए अगर जो सोच और जो विजन है जो विकास का जो हमारा विकसित भारत का जो सपना है, उसे विकसित भारत के सपने के लिए हमें जो भी प्रयास करने हैं, जो भी विकास की दृष्टि से राजस्थान प्रदेश को मुख्यधारा में मिलकर काम कर रहे हैं।

बैरवा प्रतिमा सम्मान समारोह में जिले के पूर्व कलैक्टर ओपी बैरवा, पूर्व राज्य सभा सांसद हरिनारायण बैरवा, निवाई के पूर्व विधायक कमल लोदी, बैरवा कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष शिवराज बैरवा आदि के अलावा कार्यक्रम में पहुंची प्रतिभाएं व परिजन मौजूद रहे।

814वां उर्स : कुल की रस्म के साथ जन्नती दरवाजा बंद हुआ

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 814वें सालाना उर्स का समापन कुल की रस्म के साथ पूरी अकीदत, अदब और रूहानियत के माहौल में हुआ। दोपहर ठीक एक बजे ऐतिहासिक महफिलखाने में कुल की रस्म अदा की गई, जिसके बाद परंपरा अनुसार जन्नती दरवाजा बंद कर दिया गया। दरगाह शरीफ के महफिलखाने में आयोजित कुल की रस्म की सदारत दरगाह दीवान के प्रतिनिधि के रूप में उनके पुत्र नसीरुद्दीन चिश्ती ने की। इस अवसर पर कुरआन ख्वानी, फातिहा और सलाम पेश किए गए। देश-विदेश से पहुंचे जायरीन, खादिमों और अकीदतमंदों ने अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआएं मांगी।

■ उर्स की परंपरा के अनुसार बड़े कुल की रस्म मंगलवार को अदा की जाएगी

मलंगों ने अदा की दंगोल की रस्म :-कुल की रस्म के पश्चात महफिलखाने में मलंगों और कलंदरों द्वारा परंपरागत दंगोल की रस्म अदा की गई। इस रस्म की सदारत मलंगों के सरगिरोह सैयद मंसूर अली ने की। देशभर से आए मलंगों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर सूफियाना मस्ती में हैरतअंगेज़ करतब पेश किए, जिन्हें देखकर मौजूद जायरीन भावविभोर हो उठे। दंगोल की रस्म को उर्स की एक विशिष्ट और ऐतिहासिक परंपरा माना जाता है, जिसमें सूफी रंग, भक्ति और अद्भुत साहस का अनूठा संगम देखने को मिलता है। देर तक महफिलखाने का माहौल रूहानियत और सूफियाना रंग में डूबा रहा। उर्स की परंपरा के अनुसार बड़े कुल की रस्म मंगलवार को अदा की जाएगी। इसके साथ ही ख्वाजा साहब का 814वां सालाना उर्स पूरी श्रद्धा, परंपरा और अदब के साथ विधिवत संपन्न होगा। उर्स के दौरान जिला प्रशासन, दरगाह कमेटी, खादिमों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से व्यवस्थाएं सुचारू रही। जायरीन ने दरगाह में हाजिरी लगाकर देश में अमन-ओ-अमान और आपसी भाईचारे की दुआ की।

भीलवाड़ा में पारा 6.5 डिग्री दर्ज

भीलवाड़ा, (निसं)। ठंड अब सब जगह असर दिखाने लगी है। जहां रात का तापमान गिरकर 6.5 डिग्री आ गया, तो वहीं दिन में भी ठंडी हवाओं ने पारे को 23 डिग्री सेल्सियस पर ला दिया है। इसका ही नतीजा है कि सुबह खुशनुमा होने लगी है। इस बढ़ते कोहरे ने गुरला की पहाड़ी और तालाब को अलग ही तस्वीर में उभार दिया है। नेशनल हाईवे 758 स्थित गुरला में शनिवार सुबह बर्फीली हवाओं ने फीजा में ठंडक घोल रखी है। दिन में कंपकंपी छूट रही। सुबह शाम शीतलहर ठिठुरा रही है। कोहरा इतना है कि सड़कों पर कुछ दूरी तक कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। शनिवार को सुबह देर तक कोहरा छाया रहा चालकों को वाहन की लाइट चलानी पड़ी। कोहरे ने भीलवाड़ा-राजसमंद-उदयपुर फोरलेन गुरला स्थित रणजीत सागर तालाब को ढक दिया। सुबह नौ बजे तक कोहरा छाया रहा। लोग घरों से कम ही बाहर निकले। अरावली पहाड़ी की तलहटी स्थित कालका माता मंदिर कोहरे की चादर में लिपटा रहा। इसी प्रकार से ठंड का प्रकोप गावों में रहा।

16 क्विंटल जब्तशुदा डोडा-पोस्त एवं स्मैक नष्ट कराई

ब्यावर, (निसं)। 16 क्विंटल डोडा-पोस्त एवं 17 ग्राम स्मैक को जलाकर नष्ट किया गया। 8 पुलिस थानों के 21 मुकदमों में जब्त एनडीपीएस का माल नष्ट किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने बताया कि राष्ट्रव्यापी अवैध मादक पदार्थ निस्तारण पखवाड़े के तहत जिले के थानों पर एनडीपीएस के प्रकरणों में जब्त अवैध मादक पदार्थों के नष्टीकरण करने हेतु पुलिस मुख्यालय से निर्देश प्राप्त हुऐ थे। जिस पर जिले के समस्त थानाधिकारी प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थों को श्रीसीमेंट फैक्ट्री लेकर पहुंचे। गठित समिति की उपस्थिति में नष्टीकरण के तहत थानों पर जब्त अवैध मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। प्रक्रिया में करीब 16 क्विंटल डोडा पोस्त एवं 17 ग्राम स्मैक को जलाकर नष्ट किया, संपूर्ण कार्यवाही की विडियोग्राफी व फोटोग्राफी करवाई गई।

डूंगरपुर के विराट गांव में बिजली कटौती से किसान व ग्रामीण परेशान

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की ओबरी तहसील के ग्राम पंचायत विराट में स्थित जीएसएस सब सेंटर पर लगातार हो रही बिजली कटौती से किसान और ग्रामीण आक्रोशित हैं। उन्होंने विरोध-प्रदर्शन करते हुए दो दिन में समस्या समाधान का अल्टीमेटम दिया है।

■ 32 केवी लाइन को दाहेला से हटाकर सागवाड़ा से जोडने की मांग उठाई

किसानों और ग्रामीणों ने जीएसएस सब सेंटर से होने वाली अनियमित विद्युत आपूर्ति को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने 32 केवी लाइन को दाहेला से हटाकर सागवाड़ा से जोडने की मांग उठाई। किसानों का कहना है कि खेतों में सिंचाई के लिए समय पर बिजली नहीं मिल पा रही है, जिससे फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई है। सरकार ने कृषि कार्य के लिए 6 घंटे बिजली देने की घोषणा की है, लेकिन हकीकत में उन्हें 2 घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही, जिससे भारी नुकसान हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे सड़क जाम आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस विरोध प्रदर्शन में सरपंच इंदिरा कलासुआ, डूंगर पाटीदार, गोकुल पाटीदार, सामाजिक कार्यकर्ता कमलेश कलासुआ, लालजी पाटीदार, रमेश पाटीदार, सतीश पाटीदार, बदामी पाटीदार, नाथु रोत, सरदार रोत, मुकेश कलासुआ, पंकज कलासुआ, महिपाल रोत, कालूराम पाटीदार, जयंतीलाल पाटीदार, निलेश पाटीदार, गोविंद पाटीदार, बंशीलाल पाटीदार, कांतिलाल डोडियार और अमृतलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल स्कूटी सवार युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में एक सड़क हादसे में घायल हुए स्कूटी सवार युवक की 13 दिन बाद मौत हो गई। युवक का उदयपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

■ 13 दिन बाद अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा

कोतवाली थाने के एएसआई ने बताया कि माविता निवासी अमृतलाल ननोमा ने इस संबंध में रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा रवि ननोमा 14 दिसंबर को स्कूटी से बिछीवाड़ा जा रहा था। इसी दौरान डूंगरपुर शहर के नवाडेरा के पास एक बाइक ने रवि की स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में रवि गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे प्राथमिक इलाज के बाद उदयपुर रेफर किया गया था। रवि का उदयपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां कल देर रात उसकी मौत हो गई। परिजन शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी लाए। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

अरावली बचाने के लिए तीन जिलों के हजारों लोगों ने रैली निकाली

अलवर, (निसं)। अरावली के पहाड़ों को बचाने के लिए कांग्रेस ने शनिवार को अलवर में तीन जिलों के हजारों लोगों ने रैली निकाली। कांग्रेस नेता गोविंद डोटासरा, जितेंद्रसिंह व टीकाराम जूली के सामने कार्यकर्ता पुलिस की बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। इससे पहले डोटासरा व जूली कटी घाटी की पहाड़ी पर चढ़े। वहां से अरावली बचाओ अभियान की हुंकार भरी। इस रैली में कुछ युवक सिर मुंडवा कर पहुंचे, जिनके सिर पर लिखा था "अरावली बचाओ"। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली कार्यकर्ताओं के साथ कटी घाटी की पहाड़ी पर चढ़ गए।

अरावली बचाने के लिए कांग्रेस ने अलवर में रैली निकाली।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बताया कि इस जन जागरण में तीनों जिलों के कार्यकर्ता पहुंचे। सबका अरावली को बचाने पर जोर है। अरावली देश का भविष्य है। अब हमने अरावली को नहीं बचाया तो 50 से 100 साल आने वाली पीढ़ी जवाब नहीं दे सकेंगे।

भर्तृहरि बाबा की जय के साथ नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अरावली बचाओ पैदल मार्च के दौरान कहा कि अरावली मां का सौदा करने वालों को भर्तृहरि बाबा का श्राप लगेगा। जूली ने कहा कि 6 माह पहले प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत की गई कि खनन माफिया 5 करोड़ की रिश्वत मांग रहे हैं। यही शिकायत सीबीआई, सीआईडी और एसीडी को दी गई, लेकिन 5 माह में जांच तक नहीं की गई। यह अरावली का सीना छलनी करने की साजिश है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार को घुटनों के बाल आना पड़ेगा। तीन काले कानून जो किसानों के लिए बनाए गए थे उसी तरह अरावली का काला कानून भी जनहित में वापस लेने के लिए कांग्रेस हर संभव लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि खनन माफियाओं को पनपाने का काम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के कार्यकर्ताओं ने अरावली बचाओ रैली में हिस्सा लिया।

■ अरावली प्रेमी युवाओं ने सिर मुंडवाकर सिर पर "अरावली बचाओ" लिखवाया

कार्यकर्ताओं ने बताया कि अरावली की पहाड़ियां आधे ज्यादा राजस्थान के लिए लाइफ लाइन का काम करती है। यह राजस्थान के पर्यावरणीय संतुलन को संतुलित बने रहने में मदद करती है। पहाड़ की नई परिभाषा को लागू करने से करीब 15 जिले के लोगों के लिए जीवन का संकट उत्पन्न हो जाएगा, इसलिए सरकार और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहाड़ की नई परिभाषा को खारिज किये जाने की मांग की। रैली में पार्टी के जिला सचिव रईसा, पार्टी जिला सचिव मंडल सदस्य जितेंद्र नरूका, सीटू के जिला अध्यक्ष मोहन सिंह राघव, आखिल भारतीय किसान सभा के जिला संयोजक मुख्तार सिंह, भवन निर्माण यूनियन के साथी रतनलाल सैनी एवं ताराचंद, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की साथी रतन भाई एवं टीना कंवर सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

शिल्पग्राम उत्सव में हरियाणा के लोक नृत्य "धमाल" का दर्शकों ने आनंद लिया

उदयपुर, (निसं)। शिल्पग्राम उत्सव में हरियाणा की मस्ती के प्रतीक 'धमाल' डांस का मुक्ताकाशी मंच पर दर्शकों ने आनंद लिया।

जानकारी के अनुसार हरियाणा के गुड़गांव और आसपास के क्षेत्र के अहीर समुदाय के किसान अच्छी फसल होने की खुशी में यह परंपरागत डांस करते हैं। जाहिर है, इस डांस में जहां हरियाणा का अल्हड़पन मस्ती दिखी वहीं इसने लयबद्धता, खूबसूरत स्टेप्स, हावभाव और धमक ने अपनी अलग ही छाप छोड़ दर्शकों का दिल जीत लिया। मुक्ताकाशी मंच पर भी शनिवार को इस नृत्य में जहां परंपरागत ढोल, ताशा, नगाडा और बीन जैसे वाद्य यंत्रों का प्रयोग करते हुए नर्तकों ने इनकी धुन पर डफ और लाठियों के साथ नृत्य कर खूब वाहवाही लूटी। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के राय बेंसे और नटुआ में एक्रोबेटिक युद्ध कौशल, महाराष्ट्र के लावणी लोक नृत्य में नर्तकियों के श्रृंगार व भावभंगिमाएं, उत्तर प्रदेश के पारंपरिक ढेडयि लोक नृत्यों की तालबद्ध प्रस्तुतियों ने दर्शकों के दिलों के तारों को झंकृत कर दिया। इस शाम की हर प्रस्तुति ने उत्सव की 'लोक के रंग-लोक के संग' थीम को साकार करते हुए मेवाड़ के कलाप्रेमी दर्शकों की खूब दाद पाई। इनमें राजस्थान के कालबेलिया डांस में नर्तकियों के उल्टी घूम के बिना हाथों के सहारे मुंह से नीचे रखा रुमाल और आंख से जमीन पर रखा सिक्का उठाने के कमाल ने तो धमाल ही मचा दी।

शिल्पग्राम उत्सव में मुक्ताकाशी मंच पर कलाकारों ने नृत्य पेश किये।

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया छाऊ डांस में जब डांसर्स ने शास्त्रीय नृत्य शैली में मार्शल आर्ट के खूबसूरत सम्मिश्रण के साथ जब महाभारत और रामायण के प्रसंग जीवंत किए तो कलाप्रेमियों ने मंत्रमुग्ध हो तालियों की गड़गड़ाहट से शिल्पग्राम गूंजा दिया। सिद्धि धमाल का कमाल तो शनिवार को भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोला।

इनके साथ ही उत्तराखंड के मीठी छेड़छाड़ वाले छापेली लोक नृत्य ने दर्शकों को गुदगुदाया और उनकी तालियां बटोरी। वहीं, बिहू डांस भी दर्शकों को खूब भाया। बिहू ने असम की छाप छोड़ते हुए वहां की लोक संस्कृति खूबसूरती से पेश की। जम्मू के पारंपरिक डोगरी लोक नृत्य जगरना के साथ ही राजस्थान के सहरिया आदिवासी संस्कृति के सहरिया स्वांग डांस व मणिपुर की मार्शल आर्ट से लबरेज फोक प्रस्तुति थांग-ता स्टिक ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया। वहीं, पंजाब का भांगड़ा पर तो पूरा शिल्पग्राम ही झूम उठा। मुक्ताकाशी मंच के दर्शक अपनी जगह पर खड़े होकर झूमने लगे। संचालन मोहिता दीक्षित और माधुरी शर्मा ने किया।

संक्षिप्त

सामर अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर । उदयपुर मार्बल एसोसिएशन की कार्यकारिणी वर्ष 2025-27 के चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी बीआर भाटी ने बताया कि अध्यक्ष पद पर डॉ. गजेन्द्र सिंह सामर, उपाध्यक्ष पद पर पिंटु प्रजापत एवं कोषाध्यक्ष पद पर अरूण जैन के साथ ही 8 कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। सचिव व सह सचिव पद पर चुनाव हुए जिसमें सचिव पद पर रौनक कोठ्ठारी 7 मत से एवं सह सचिव पद पर करण जैन 54 मतों से विजयी रहे। एसोसिएशन के 360 सदस्यों ने मतदान किया। अध्यक्ष डॉ. गजेन्द्र सिंह सामर ने बताया कि कार्यकारिणी में भगवती लाल जैन, जीवन सिंह देवड़ा, महेश गुप्ता, मोहम्मद इलियास, नितेश कुमार जैन, प्रतीक जैन, सुनील अग्रवाल व वीरेन्द्र चौधरी निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव सह संयोजक बाबु भाई चोरडिया, महिपाल सिंह रूपपुरा, नितुल चंडालिया, श्याम नागौरी एवं पंकज गंगावत की मौजूदगी में सम्पन्न हुए।

विभिन प्रकल्पों के संयोजक नियुक्त

डूंगरपुर। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिलाध्यक्ष शंकरलाल कटारा व जिला मंत्री सुदर्शनसिंह बनकोडा ने बताया कि प्रदेश उपाध्यक्ष डा.ऋषिन चौबीसा, मंडल उपाध्यक्ष देवीलाल पाटीदार, विभाग संगठन मंत्री प्रवीण कुमार जैन की अनुशंसा पर विभिन्न प्रकल्पों के संयोजक सहसंयोजक नियुक्त किए हैं। प्रकल्प मीडिया प्रबंधन में राजेंद्र सिंह चौहान संयोजक व नरेश पाटीदार एंव हितेश उपाध्याय सहसंयोजक सेवानिवृत्त शिक्षक में जीवनलाल दायमा संयोजक व बालूसिंह चौहान सहसंयोजक,प्रकल्प हमारा विद्यालय-हमारा तीर्थ के लिए देवानंद उपाध्यक्ष संयोजक व मुकेश कोठारी एंव लक्ष्मणलाल खराडी सह संयोजक, प्रकल्प राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2०2० के लिए लालसिंह अहाडा संयोजक व दिनेश जैन व नवनीत भट्ट को सह संयोजक नियुक्त किया। उक्त सभी राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के लिए अपने-अपने प्रकल्प के बारे में डूंगरपुर जिले में शिक्षा, शिक्षक व शिक्षार्थी हित में मार्गदर्शन कर संगठन की गतिविधि को सभी 1० उपशाखाओ में उच्च आयाम तक पहुंचाने का काम करेंगे। जिला कार्यकारिणी के बलवंत बामणिया, दिलीपसिंह चौहान, राजेश पाटीदार,नानूराम कटारा,रामलाल कटारा, भारत सिंह राणावत, राजेंद्र सिंह चौहान,शंकर बुनकर, दिनेश मीणा, राजेंद्र मीणा, पोपटलाल कटारा, मनोहर सिंह रेलडा, गोविंद कुंवर,संध्या गर्ग, दक्षा कलाल, करणसिंह चौहान, विनीत श्रीमाली सुखराम लबाना, प्रकाश व्यास, दिनेश चंद्र रेबारी, कमलेश भगोरा, हर्षवर्धनसिंह, भवानीशंकर ब्राह्मण, हर्षद ठाकर,निर्मल परमार आदि पदाधिकारी ने हर्ष व्यक्त किया है।

'अरावली कोई जमीन का टुकडा नहीं, देश का प्राकृतिक कवच है'

- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नाम को खत्म करने की कोशिश मोदी सरकार की कुंठित सोच : रघुवीर सिंह मीणा
- उदयपुर शहर एवं देहात कांग्रेस ने निकाली जन-जागरण रैली

उदयपुर । देश के करोडों लोगों की जीवन रेखा कही जाने वाली अरावली पर्वतमाला के संरक्षण एवं केंद्र की अहंकारी मोदी सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करने के कुप्रयास को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार शनिवार को उदयपुर शहर एवं देहात जिला कांग्रेस कमेटी ने संयुक्त रूप से जन-जागरण अभियान के तहत रैली निकाली।

उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार दिनांक 27 से 31 दिसंबर तक जिला मुख्यालय से बूथ स्तर तक चलने वाले जन-जागरण अभियान के तहत आज उदयपुर शहर एवं देहात जिला कांग्रेस कमेटी ने संयुक्त रूप से जन-जागरण रैली निकाली। रैली प्रातः 11.30 बजे नगर निगम, टाउन हॉल स्थित शहीद स्मारक से रवाना होकर सूरजपोल, अश्विनी बाजार होते हुए चेतक स्थित मोहता पार्क तक निकाली गई। रैली में सैकडों की संख्या में उदयपुर शहर एवं देहात कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोहता पार्क पर रैली में उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा ने कहा कि अरावली पर लगातार हो रहे हमले भाजपा की नीति, नीयत और शासन की सच्चाई को बेनकाब कर रहे हैं। भाजपा सरकार में प्रदेश में माफियाओं का राज चल रहा है। प्रदेश की कानून व्यवस्था एवं राज प्रणाली पूरी तरह से ठ्ठप्प हो गई है। आए दिन अरावली में जारी अवैध खनन की खबरें सरकारी संरक्षण को बयां कर रही है। राजस्थान की अरावली आज सिर्फ अवैध खनन का शिकार नहीं है, बल्कि भाजपा सरकार की संरक्षणहीन नीतियों की शिकार बनती जा रही है। ऐसे में करोडों लोगों की जीवन रेखा अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए हम सभी को आगे आना पडेगा। और केंद्र एवं राज्य सरकार पर जन-जागरण के माध्यम से दबाव बनाना पडेगा कि वो माननीय सुप्रीम कोर्ट में अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए पैरवी कर इस आदेश को पुनर्विचार के लिए मजबूती से देशवासियों की बात के साथ आगे रखे। अरावली कोई जमीन का टुकडा नहीं, देश का प्राकृतिक कवच है। जो सरकार इसे मुनाफे की नजर से देख रही है, वह आने वाली पीढियों का भविष्य बेच रही है। अरावली पर हमला दरअसल जनता के जीवन पर हमला है।

मीणा ने मनरेगा को सुनियोजित तरीके से खत्म करने के कुप्रयास पर कहा कि मनरेगा के कानून को कमजोर करना उन करोडों मजदूरों के भविष्य के साथ खिलवाड है जिनके पास आय का कोई और जरिया नहीं है। यह बदलाव देश के विकास के लिए एक बडी बाधा साबित होगा। मनरेगा के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को खत्म करने की कोशिश मोदी सरकार की कुंङ्गित सोच है। मोदी सरकार ने सुधार के नाम पर लोकसभा में एक बिल पास करके दुनिया की सबसे बडी रोजगार गारंटी स्कीम मनरेगा को खत्म कर दिया है, यह महात्मा गांधी की सोच को खत्म करने और सबसे गरीब भारतीयों से काम का अधिकार छिनने की जान बूछकर की गई कोशिश है। मनरेगा का नाम बदल कर योजना को कमजोर करने का केंद्र सरकार का यह कदम महात्मा गांधी के आदर्शों का सीधा अपमान है और ग्रामीण रोजगार पर खुली जंग का ऐलान है। रिकॉर्ड बेरोजगारी से भारत के युवाओं को तबाह करने के बाद मोदी सरकार अब गरीब परिवारों की बची हुई आज आखिरी आर्थिक सुरक्षा को निशाना बना रही है। हम सडक से लेकर संसद तक हर मंच पर इसका विरोध करेंगे।

उदयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राङ्गौड ने कहा कि अरावली पर्वतमाला की पवित्र चोटियाँ केवल पहाड नहीं हैं। ये हमारी सभ्यता की जडें, हमारी आस्था की ऊँचाइयाँ और आने वाली पीढियों के जीवन की सबसे मजबूत ढाल हैं। यह वही अरावली है जिसने रेगिस्तान को रोककर जीवन को बचाया, जलस्त्रोतों को संरक्षित किया और प्रकृति के संतुलन को सदियों तक संभाले रखा। यह संघर्ष किसी एक दिन का नहीं, किसी एक यात्रा का नहीं, और न ही किसी एक व्यक्ति या संगङ्गन का है। यह सत्ता के अहंकार और अन्याय के खिलाफ जनता की सामूहिक चेतना का उदय है, एक ऐसी चेतना जो अब दबाई नहीं जा सकती। इतिहास साक्षी है जब-जब सत्ता ने प्रकृति को मुनाफे का साधन समझा, जब-जब पहाडों को खोदने और जंगलों को बेचने का दुस्साहस किया, तब-तब जनता ने सडकों पर उतरकर उस अन्याय को खुली चुनौती दी है। यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक अरावली की एक-एक चोटी सुरक्षित नहीं हो जाती। जन-जागरण रैली में उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा, उदयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राङ्गौड, पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, पीसीसी उपाध्यक्ष सुरेश श्रीमाली, पीसीसी महासचिव लाल सिंह झाला, पंकज कुमार शर्मा, गोपाल शर्मा, पूर्व मंत्री डॉ मांगी लाल गरासिया, पूर्व मंत्री जगदीश राज श्रीमाली, पीसीसी सचिव दिनेश श्रीमाली, विधायक प्रत्याशी विवेक कटारा, पूर्व विधायक सज्जन कटारा, पीसीसी सदस्य राम लाल गायरी, प्रो. दरियाव सिंह चुंडावत, गोपाल सिंह चौहान, दलपत सिंह चुंडावत, मो. अय्यूब, गजेंद्र कोङ्गारी, पूर्व उप जिला प्रमुख लक्ष्मी नारायण पंड्या आदि मौजूद रहे।

रोटी बैंक में निःशुल्क भोजन वितरण

डूंगरपुर। महावीर इंटरनेशनल के संस्थापक सदस्य एवं संरक्षक वीर कुरीचंद जैन की 24 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर एक दिवसीय अस्थि एवं जोड प्रत्यारोपण ओपीडी शिविर का आयोजन संस्था के रोग निदान केंद्र पर किया गया,जिसमें जीबीएच जनरल एंड कैंसर हॉस्पीटल उदयपुर के हड्डी एवं जोड रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ अग्रवाल ने अपनी सेवाएं प्रदान की। संस्था के उपाध्यक्ष रविंद्र जैन ने बताया कि शनिवार को आयोजित शिविर में हड्डी एवं जोड रोग ओपीडी में कुल 14 रोगी लाभान्वित हुए जिनमें से पांच रोगियों की घुटना प्रत्यारोपण के उपरांत फॉलोअप जांच की गई। अन्य रोगियों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। इस अवसर पर रोटी बैंक के माध्यम से सामान्य चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के सौ से अधिक तीमारदारों को संस्था किऔर से निःशुल्क भोजन वितरण किया गया।

'भारत नाम के प्रयोग की पहल पर गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय सम्मान'

- कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ङ्खाकुर सम्मानित, राजस्थान से एकमात्र विश्वविद्यालय का चयन

बांसवाड़ा । गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाडा को शिक्षा, संस्कृति एवं राष्ट्रीय चेतना के क्षेत्र में की गई एक महत्वपूर्ण पहल के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा अपने शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं आधिकारिक कार्यों में देश के प्राचीन एवं गौरवशाली नाम भारत के प्रयोग को प्राथमिकता देने के निर्णय को सराहते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ङ्खाकुर को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह राष्ट्रीय सम्मान शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी द्वारा जी-20 सम्मेलन के दौरान अंग्रेजी भाषा में भी 'भारत' नाम के प्रयोग के माध्यम से सभी भाषाओं में देश का नाम 'भारत' उपयोग करने का जो संदेश दिया गया, उसी भावना के अनुरूप गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया। विश्वविद्यालय द्वारा सभी भाषाओं में अपने गौरवमय राष्ट्र का नाम केवल 'भारत' प्रयोग में लाने की पहल को राष्ट हित में स्तुत्य कदम माना गया है। यह पहल निश्चय ही देश के प्राचीन सांस्कृतिक गौरव को और अधिक सुदृढ करने वाली है।

सम्मान समारोह 27 दिसंबर 2025 को वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत के कन्वेंशन हॉल में आयोजित किया गया। समारोह में गुजरात राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री ,वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. किशोरसिंह एन. चावडा, सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत के निदेशक प्रो. (डॉ.) अनुपम शुक्ला तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव प्रो. अतुलभाई कोङ्गारी गरिमामय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। देशभर से आए शिक्षाविदों, कुलगुरुओं, प्राध्यापकों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में यह समारोह रूप से सम्पन्न हुआ।

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए राजस्थान राज्य से केवल गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय का ही चयन किया गया, जिससे यह राज्य का एकमात्र सम्मानित विश्वविद्यालय बना।

सम्मान ग्रहण करते हुए कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ङ्खाकुर ने कहा कि 'भारत' केवल एक नाम नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और आत्मगौरव का प्रतीक है। विश्वविद्यालय द्वारा लिया गया यह निर्णय राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है, जिससे युवाओं में देश के प्रति गर्व की भावना और अधिक प्रबल होगी। कुलगुरु को यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त होने पर गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विश्वविद्यालय से संबद्ध समस्त महाविद्यालयों में हर्ष और गौरव का वातावरण व्याप्त है।

देश में स्वदेशी की भावना को आगे बढ़ाने में महिला वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका: राजस्व मंत्री

चित्तौड़गढ़ । सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर द्वारा चित्तौड़गढ़ में आयोजित राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव मेले में वंदे मातरम की पुकार श्रमिक सुरक्षा का विस्तार विषय पर लगाई गई पाँच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का शनिवार को समापन हुआ। प्रदर्शनी का उद्देश्य केंद्र सरकार की जन-कल्याणकारी एवं श्रमिक सुरक्षा संबंधी योजनाओं की जानकारी को आमजन तक व्यापक रूप से पहुँचाना रहा।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि देश के विकास में सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए केंद्र व राज्य सरकार जनहित में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए महिलाओं के लिए, युवाओं के लिए तथा किसानों के विकास के लिए क्या क्या प्रयास किए जा रहे है, उनके इस विजन को प्रदर्शनी में बखूबी चित्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए सभी को स्वदेशी की भावना को अपनाना बहुत जरूरी है। देश को स्वदेशी को बढ़ावा देने में महिला वर्ग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ सांसद सी. पी. जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार देश के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

पालीवाल ब्राह्मण समाज की प्रतियोगिता सम्पन्न

उदयपुर। रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर पालीवाल ब्राह्मण समाज के नवयुवक मंडल की ओर से आयोजित 37वीं खेलकूद प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष संजय पालीवाल ने बताया कि क्रिकेट प्रतियोगिता में टॉवर्स ग्रुप व जेलियन ग्रुप के मध्य रोमांचक फाइनल मैच खेला गया जिसमें जेलियन ग्रुप मैच जीत वर्ष 2025 का चैंपियन बना। मुख्य अतिथि उदयपुर की आरएएस अधिकारी लतिका पालीवाल, विशिष्ट अतिथि सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट भारत सरकार के विधि सलाहकार व राम मंदिर केस, सबरीमाला मंदिर केस के एडवोकेट वरुणपालीवाल, भारतीय वायु सेवा के ग्रुप कैप्टन ऑपरेशन सिंदूर टीम के सदस्य विवेक पालीवाल, श्रीमती विजयलक्ष्मी पालीवाल, समाज के अध्यक्ष यशवंत पालीवाल, समाज के महामंत्री एडवोकेट सुरेंद्र पालीवाल, समाज के उपाध्यक्ष सत्यनारायण पालीवाल, जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष मौजूद थे।

सार-समाचार

शिक्षक संघ की बैठक सम्पन्न

डूंगरपुर/जयपुर। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) की प्रदेश स्थाई समिति और संघर्ष समिति की वर्चुअल बैठक प्रदेशाध्यक्ष महावीर सिहाग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शिक्षकों के ज्वलंत मुद्दों और आगामी आन्दोलन के कार्यक्रमों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रदेश महामंत्री उपेन्द्र शर्मा ने बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार, आगामी 3 जनवरी को सावित्रीबाई फुले जयंती को राष्ट्रीय महिला शिक्षक दिवस के रूप में गौरव के साथ मनाया जाएगा। इसकी पूर्व संध्या पर 2 जनवरी को राज्य स्तरीय वर्चुअल सेमिनार होगीए जबकि 3 जनवरी को जिला स्तर पर संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों की कमान मुख्य रूप से महिला शिक्षकों के हाथों में रहेगी और इसी दिन इस दिवस को आधिकारिक रूप से घोषित करने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में 2010० से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की अनिवार्यता थोपने के मुद्दे पर चर्चा हुई। निर्णय लिया कि इसके विरोध में 5 जनवरी को प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रेस सम्मेलन आयोजित कर जिला कलेक्टर के माध्यम से सरकार को ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के आ ान पर 12 जनवरी, 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाली विशाल महारैली को सफल बनाने पर चर्चा हुई।बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक जिले से अधिकतम संख्या में शिक्षक इस रैली में शामिल होंगे। सभी जिलों को रैली में शामिल होने के लिए न्यूनतम लक्ष्य आवंटित किया गया। रैली की तैयारियों के लिए 5 जनवरी को सभी जिलों में बैठकों का आयोजन किया जाएगा। बैठक में सदस्यता अभियान पर चर्चा हुई, निर्णय लिया कि संगठन के सदस्यता अभियान को जनवरी माह तक पूर्ण किया जाये। बैठक में प्रदेश सभाध्यक्ष याकूब खान, महामंत्री उपेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष राधेश्याम यादव, उपाध्यक्ष गण हेमन्त खराडी, भंवर कस्वां, अशोक लोदवालए सुनिता सिहागए पवन छिम्पा, प्रदेश मंत्री संजय पुरोहित व अंजु दुलड और संघर्ष समिति संयोजक पोखर मल सहित प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गौ सम्मान आव्हान अभियान कार्यक्रम

डूंगरपुर। स्थानीय लक्ष्मण मैदान में समग्र माली समाज की खेल प्रतियोगिता के मध्य माली समाज के नानूराम माली, लक्ष्मीकांत माली और उपस्थित मातृ शक्ति और समाज जनों के साथ गौ सम्मान आव्हान अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया। समाज जनों को संबंधित करते हुए सुभाष रोट ने उपस्थित जन समुदाय से गौ-सम्मान आव्हान अभियान कार्यक्रम से जुडने और गौ-माता को राष्ट्र माता घोषित करने के संकल्प दिलवाया। इसीक्रम में बिछीवाडा गांव स्थित आशापुरा धाम पर महंत महेंद्रसिंहओर ग्राम के निवासियों के साथ गौ सम्मान आव्हान अभियान कार्यक्रम की बैठक जिलाध्यक्ष मांगीलाल कुम्हार के सानिध्य में आयोजित की गई। बैठक का संचालन करते हुए गंगा प्रसाद ने 27 अप्रैल को राष्ट्रीय स्तर पर दिए जाने वाले ज्ञापन में अधिक से अधिक संख्या में बिछीवाडा की तरफ से उपस्थित होने का संकल्प करवाया। इस अवसर पर प्रवीण श्रीमाल, जीवन धर जैन, धनेश्वर लबाना, भूरालाल, गणेश कलाल, अरविंद नायक, संतोष, सरोज, सहित कई गणमान्य लोगों की उपस्थित रहें।

गोलोक रथ प्रकल्प की योजना बनाई

डूंगरपुर। भारत विकास परिषद तिलक शाखा द्वारा वर्ष पर्यंत किए गए वार्षिक कार्यों की अध्यक्ष मुकेश श्रीमाल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन शाखा सदस्य अनिल पारिख के निवास पर सम्पन्न हुआ। समीक्षा बैठक का शाखा सचिव चिराग व्यास ने संचालन करते हुए विशिष्ट अतिथि ईश्वरलाल पारीक,कमला पारीक एवं उपस्थित समस्त सदस्यों का उपरने से अभिनंदन किया। बैठक में शाखा सदस्य अनिल पारिख के साठ वे जन्मदिवस को भारतीय संस्कृति के अनुरूप दीप प्रज्वलन कर मनाया। शाखा अध्यक्ष मुकेश श्रीमाल ने वर्ष पर्यंत किए गए समस्त सामाजिक, धर्मिक और भाविप के समस्त प्रकल्पों के कार्यों की विश्वृत जानकारी देते हुए सहयोगी समस्त सदस्यों को सफल आयोजन पर बधाई और आभार जताया। श्रीमाल ने शाखा के मोक्ष वाहिनी स्थाई प्रकल्प में संचालित गोलोक रथ की जानकारी देते हुए बताया कि गोलोक रथ का संचालन किया जा रहा हैं, जिसके तहत एक शव को मोक्षधाम तक ले जाने का 7०० रुपया शुल्क लिया जाता है यदि कोई गरीब या लावारिस शव होता हे उसे निःशुल्क मोक्ष धाम ले जाया जाता हैं साथ शाखा द्वारा गरीब और लावारिस शव का निःशुल्क दाह संस्कार भी किया जाता हैं। शव के दाह संस्कार के लिए लागत दाम पर लकडी, कंडे और घास की व्यवस्था गोलोक रथ चालक द्वारा व्यवस्था की जाती है। शाखा के समस्त सदस्यों ने भामाशाह रमेश वर्यानी के मोक्ष धाम के जीर्णोद्धार में सहयोग करने पर उपरने से अभिन्नदन किया। समीक्षा बैठक में शाखा के संरक्षक हीरालाल पटेलए सचिव चिराग व्यास, कोषाध्यक्ष शिवराम मोची, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश वर्यानी, हर्षल पारीक, स्वप्निल पारीक,मानस द्विवेदी, चंद्रेश शर्मा, धनराज कटारा उपस्थित हुए।

स्नेह के भाव मजबूत बनाए : कनेरिया

उदयपुर । हर युवा मन, वचन व कर्म से बुजुर्गों, बेसहारा लोगों के प्रति संवेदना व सम्मान जैसे गुणों को अंगीकार करें। यह भारतीय कुटुंब व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण मूल्य है। युवा वर्ग अपनी दृष्टि एवं वृत्ति को सेवा व स्नेह से परिपूर्ण बनाए। यह विचार अपना संस्थान के अध्यक्ष गोपाल कनेरिया ने शनिवार को विद्या भवन एन एस एस शिविरार्थियों के विशेष कैंप में व्यक्त किए। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी जय शर्मा ने बताया कि शिविरार्थियों ने अपना आश्रम की कार्य प्रणाली को समझा।

राष्ट्रीय प्राकृत भाषा अध्ययन कार्यशाला का भव्य एवं प्रेरणादायी उद्घाटन

- जन-जन तक पहुंचे प्राकृत भाषा का ज्ञान ओर रहस्य

डूंगरपुर-नैनागिरि। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा प्राकृत भाषा विकास फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्राकृत भाषा अध्ययन कार्यशाला का उद्घाटन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह सत्र केवल एक औपचारिक उद्घाटन नहीं,बल्कि प्राकृत भाषा के पुनर्जागरण का सशक्त उद्घोष सिद्ध हुआ।

प्रातः 1० बजे प्रारम्भ हुए इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रान्तों से आए विद्वान, शोधार्थी, शिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।उद्घाटन की मंगलवेला में आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज द्वारा विरचित प्राकृत स्तुति के सामूहिक उच्चारण से सम्पूर्ण सभागार आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। इसके पश्चात् राष्ट्रगीत एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगीत के गायन ने राष्ट्रीय चेतना और अकादमिक एकात्मता का भाव जाग्रत किया। अतिथियों द्वारा चित्रानावरण एवं दीप प्रज्वलन कर ज्ञानदृदीप प्रज्वलित किया गयाए जो प्राकृत भाषा के अध्ययन-प्रसार का प्रतीक बना।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो.यशवंतसिंह ठाकुर ने अपने ओजस्वी एवं विचारोत्तेजक उद्बोधन में कहां कि प्राकृत भाषा भारतीय ज्ञान परम्परा की मूल धारा है, जिसके बिना दर्शन, साहित्य और संस्कृति की सम्यक् समझ अधूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ नई पीढी को अपनी भाषायी जडों से जोडने का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो.ऋषभचन्द जैन फौजदार ने प्राकृत भाषा को लोक और शास्त्र के सेतु के रूप में निरूपित करते हुए कहां कि 21 दिवसीय यह कार्यशाला, अध्ययन, चिन्तन और शोध की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण सिद्ध होगी। मुख्य वक्तव्य में डी.ब्र.राकेश जैन नेप्राकृत भाषा के व्याकरणिकए दार्शनिक एवं साहित्यिक पक्षों की वैज्ञानिकता को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि प्राकृत केवल अतीत की भाषा नहींए बल्कि वर्तमान और भविष्य की शोध-भाषा भी है। उद्घाटन सत्र में अतिथियों एवं प्रशिक्षकों का स्वागत-सम्मान तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं प्राकृत भाषा विकास फाउण्डेशन द्वारा परम्परागत विधि से किया गया। स्वागत भाषण में डॉ. कैलाशचन्द सैनी ने कार्यशाला के उद्देश्योंए संरचना और अपेक्षित उपलब्धियों को रेखांकित किया, जबकि नैनागिरि तीर्थक्षेत्र प्रतिनिधि देवेन्द्र जैन लुहारी ने तीर्थक्षेत्र की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक गरिमा पर प्रकाश डाला।

प्राकृत भाषा विकास फाउण्डेशन का परिचय देते हुए डॉ.आशीष जैन ने फाउण्डेशन द्वारा प्राकृत भाषा के संरक्षण प्रशिक्षण और शोध हेतु किए जा रहे सतत् प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला की विस्तृत रूपरेखा एवं अध्यापकों का परिचय डॉ. धर्मेन्द्र जैन ने प्रस्तुत किया तथा डॉ.सतेन्द्र जैन ने कार्यशाला के शैक्षिक,अकादमिक एवं व्यावहारिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए वैचारिक समृद्धि का अवसर बनेगा। कुलगुरु अभिभाषण में प्रो.यशवंतसिंह ठाकुर ने प्राकृत अध्ययन को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक बताया, वहीं अध्यक्षीय भाषण में प्रो.ऋषभचन्द जैन फौजदार ने इसे भारतीय भाषायी चेतना के पुनर्संस्कार का सशक्त प्रयास बताया। परम पूज्य मुनिश्री शाश्वतसागर महाराज ने अपने आशीष वचनों में कहा दृ प्राकृत भाषा भारतीय संस्कृति की प्राण है। इस पुनर्जीवित करने के लिए यह सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। सम्पूर्ण कार्यक्रम का अनुशासितए सुस्पष्ट एवं प्रभावी संचालन डॉ.आशीष जैन आचार्य द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ तथा राजेश जैन रागी बक्स्वाहा एवं डॉ. प्रभातकुमार दास द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्राकृताचार्य श्री सुनीलसागर महाराज द्वारा विरचित प्राकृत स्तुति पूर्वक कार्यक्रम को सार्थक पूर्णता प्रदान की।

कांग्रेस का अरावली बचाओ पैदल मार्च

डूंगरपुर। डूंगरपुर में कांग्रेस ने शनिवार को अरावली बचाओ,जिंदगी बचाओ, पैदल मार्च निकाला। यह मार्च नया बस स्टैंड से शुरू होकर कलेक्ट्री तक पहुंचाए जहां कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और आरोप लगाए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष और डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता नया बस स्टैंड के सामने एकत्रित हुए। इस मार्च में पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा, सागवाडा के पूर्व विधायक सुरेंद्र बामनिया, भरत नागदा और नरेंद्र खोडनिया सहित कई नेता व कार्यकर्ता शामिल थे। पैदल मार्च नया बस स्टैंड से रवाना होकर कॉलेज रोड, पुराना बस स्टैंड और तहसील चौराहा से होते हुए कलेक्ट्री पहुंचा। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर और झंडे लिए अरावली बचाओ, जिंदगी बचाओ, के नारे लगा रहे थे। कलेक्ट्री पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। विधायक घोघरा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का अरावली को लेकर दिया गया फैसला पूरी तरह गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट ने बिना जमीनी स्थिति देखे ही 1०० मीटर से कम ऊंची पहाडियों को काटने के आदेश दिए हैं,जो केंद्र की भाजपा सरकार के दबाव में दिए गए हैं। घोघरा ने आगे कहा कि अरावली हमारी पहचान है। इसके नष्ट होने से जंगल और पर्यावरण दोनों खत्म हो जाएंगेए जिससे पूरा राजस्थान रेगिस्तान में बदल सकता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और सरकार से इस फैसले को वापस लेने और प्रदेश में अरावली को बचाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सुप्रीम कोर्ट और सरकार ने अपना निर्णय वापस नहीं लियाए तो सडक पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर गणेश घोघरा, ताराचंद भगोरा, प्रियकांत पंड्या, सुरेन्द्र बामनिया, कैलाश रोत, विनोद कटारा, मोहम्मद इकबाल सैय्यद, नरेन्द्र खोडनिया, भरत नागदा, सुरता परमार, कांता कोटेड, दशरथ कोटेड, लक्ष्मण साद, दीक्षांत पाटीदार आदि जने मौजूद रहें।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांकः उविप्रा/नियमन रिकार्ड/2025/3467 दिनांकः 22.12.2025

आम सूचना

निम्न आवेदनकर्ता द्वारा अपने भूखण्डों का वारिसान के आधार पर अपने नाम पर नामान्तरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है:-

क्र. सं.	भुखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	राजस्व ग्राम	आवेदक का नाम / पिता का नाम	मृतक का नाम / दस्तावेज
1.	16 (MUT NO 7379)	3004.25 वर्गफीट	देवाली खसरा नं 2280 से 2297, 2791/2297, 2799/2257	श्री जितेन्द्र चोरडिया पिता स्व. श्री राजकुमार चोरडिया, निवासी,-ए-16 न्यू अहिंसापुरी, फतहपुरा सर्कल, उदयपुर	श्रीमती शकुन्तला चोरडिया पत्नी स्व. श्री राजकुमार चोरडिया का मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक 09.12.2015 व श्री राजकुमार चोरडिया पिता स्व. श्री मगनलाल चोरडिया का मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक 15.10.2016 एवं पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 25.07.2025 के आधार पर नामान्तरण चाहा गया है।

अतः उपरोक्तानुसार उक्त भूखण्ड का वारिसान के आधार पर नामान्तरण पत्र जारी करने के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / संस्था / फर्म को किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति/ एतराज हो तो वो अपनी आपत्ति मय आधारों सहित इस सार्वजनिक सूचना पत्र के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में इस कार्यालय में संबंधित शाखा के अन्दर इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सम्बंधित शाखा प्रभारी को लिपिक को प्रस्तुत करावें। अन्यथा बाद गुजरने मयाद आवेदक के नाम पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण-पत्र / लीजडीड जारी की जा सकेगा।

(डॉ. अभिनव शर्मा) तहसीलदार, उदयपुर विकास प्राधिकरण उदयपुर (राज.)

पंजाब किंग्स को ऑक्शन में ज़्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं थी, क्योंकि उन्होंने पहले ही काफ़ी इन्वेस्ट कर दिया था। इसलिए यह साफ नहीं है कि उनके पास उनके लिए पर्याप्त बैकअप है या नहीं। - अभिनव मुकुंद

भारतीय क्रिकेटर, युजवेंद्र चहल को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी जो रूट

रूट ने फॉक्स क्रिकेट को एक साइडलाइन इंटरव्यू में कहा, ज़ाहिर है, सीरीज हारना हमेशा बहुत निराशाजनक होता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी था कि हमने बाकी सीरीज के लिए बहुत ज़्यादा हिम्मत दिखाई।'' रूट ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के 18 टेस्ट में से 17 में खेले थे। ''इस टीम पर बहुत कुछ फेंका गया है और जिस तरह से हमने इन दो दिनों में जवाब दिया है, वह शानदार रहा है। साफ तौर पर यह एक बहुत तेज टेस्ट मैच था, जिस पिच पर हमें खेलने का मौका मिला, लेकिन मुझे लगता है कि हमने जितना हो सका, उसके हिसाब से खुद को ढाला और जब भी मौका मिला।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड ने एशेज 2025-26 के चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर 15 साल बाद ऑस्ट्रेलियाई धरती पर ऐतिहासिक टेस्ट जीत दर्ज की।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया को टिम डेविड की चोट की चिंता, कमिंस को पूरी तरह ठीक होने का भरोसा

पर्थ, 27 दिसंबर। टी20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने में सिर्फ़ एक महीने से ज़्यादा का समय बचा है, ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को एक चोट की चिंता सता रही है, क्योंकि पावर-हिटर टिम डेविड को शुक्रवार को बिग बैश लीग 2025-26 के एक मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया।

29 साल के टिम डेविड को यह चोट पर्थ स्टेडियम में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ होबार्ट हरिकेंस के लिए बल्लेबाजी करते समय लगी। डेविड को प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाली 28 गेंदों पर 42 रन बनाने के बाद चोट के कारण रिटायर होना पड़ा, जिससे हरिकेंस ने 151 रनों का पीछा करते हुए चार विकेट से जीत हासिल की।

6'5 की लंबी कद-काठी वाले डेविड 300 से ज़्यादा टी20 मैचों के अनुभवी खिलाड़ी हैं और ऑस्ट्रेलिया के मिडिल ऑर्डर के अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 47 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 32.43 की औसत और 175.04 के स्ट्राइक रेट से 1038 रन बनाए हैं।

यह ताजा झटका डेविड की इस साल दूसरी हैमस्ट्रिंग चोट है। इससे पहले उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान भी चोट लगी थी, जिसके कारण वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के टाइटल जीतने के सफर से बाहर हो गए थे। उस चोट की वजह से वह लगभग दो महीने तक मैदान से बाहर रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया वनडे और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस की फिटनेस पर भी नजर रख रहा है, जो 7 फरवरी को भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले आगामी टी20 वर्ल्ड कप से पहले पूरी तरह से ठीक होने की कोशिश कर रहे हैं। 32 साल के कमिंस जून-जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान लगी पीठ के निचले हिस्से की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ चल रही एशेज सीरीज के पहले दो टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे।

कमिंस तीसरे टेस्ट में लौटे और छह विकेट लिए, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें अगले दो मैचों में आराम दिया गया है। कमिंस ने शुक्रवार को चैनल 7 को एक इंटरव्यू में बताया, ''कुछ हफ़्ते पहले तक, मैं अभी भी पीठ की चोट से उबर रहा था, इसलिए लगातार टेस्ट मैच खेलना काफी जोखिम भरा था।अब 20 वर्ल्ड कप के लिए थोड़ा आराम करेंगे।''

ऑस्ट्रेलिया अपना टी20 वर्ल्ड कप अभियान 11 फरवरी को कोलंबो, श्रीलंका में आयरलैंड के खिलाफ शुरू करेगा। जहां कमिंस टेस्ट और वनडे में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करते हैं, वहीं मिच मार्श टी20 में टीम की कप्तानी करते हैं। कमिंस ने 57 टी20 खेले हैं, जिसमें गेंदबाज़ी में उनका औसत 23.57 है और इकॉनमी रेट 7.44 है। पहली बार 2007 में आयोजित हुआ टी20 वर्ल्ड कप हर दो साल में होता है। ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में अपना एकमात्र खिताब जीता था, जिसमें फाइनल में न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया था।

सफेद गेंद क्रिकेट में वापसी की तैयारी में पंत

बेंगलुरु, 27 दिसंबर। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से क्षितिज पर एक एयरपोर्ट रनवे दिखाई देता है। विमानों के उड़ान भरने की आवाज जमीन तक नहीं पहुँचती, लेकिन नज़ारा दिखता है। गुजरात द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद दिल्ली की पारी के अधिकांश समय - ऋषभ पंत खुद उड़ान भरने के लिए तैयार थे। लेकिन वह संयमित रहे, 20वें ओवर में 98 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद मैदान पर आए थे।

बेंगलुरु के बाहरी इलाके में, बड़ी भीड़ या ट्रैफिक की अनुपस्थिति में, खेल की गति बीच में आने वाली आवाज़ों से तय होती है: गेंदबाज के दौड़ने पर बल्ले की आवाज, फील्डरों का अपील के लिए ज़ोर से चिल्लाना, बाउंसर के बल्लेबाज के पास से गुज़रने के बाद आहें।

पिच ने तेज़ गेंदबाजों को थोड़ी गति और उछाल दी, जिससे बल्लेबाजों के लिए जीवन और मुश्किल हो गया, जैसा कि विराट कोहली ने 29 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। विशाल जायसवाल की शानदार

लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी से स्टंप होने से पहले उन्होंने दिल्ली के 108 रनों में से 77 रन बनाए थे।

फील्ड फैली हुई थी, और दिल्ली के बल्लेबाजों के खत्म होने का खतरा था, ऐसे में पंत के लिए टिके रहना महत्वपूर्ण था, क्योंकि कोई राहत नजर नहीं आ रही थी। उन्होंने ज़्यादातर गेंदों को इन-फील्डरों के पास से निकालकर सिंगल लिए और 20 और फिर 30 रन बनाए।

पंत ने क्रीज पर टिके रहने पर ध्यान दिया और शुरुआत में शानदार, हवाई शॉट्स से काफी हद तक परहेज किया। क्रीज पर उनकी शांति, हर बार पिच पर बल्ला टैप करने पर जमा हो रही पावर से बिल्कुल अलग थी; उनका कंजर्वेटिव स्ट्रोक प्ले उस पावर से मेल नहीं खाता था जिसे वह उनमें इस्तेमाल कर रहे थे। फील्ड के पार एक और शॉट ने उन्हें 49 रन पर पहुंचा दिया।

फिर उन्होंने जैसे ही रवि बिश्नोई को अपनी हिटिंग आर्क से दूर एक गलत गेंद फेंकते देखा, उन्होंने स्विच ऑन कर दिया - लाइन के पार एक ज़ोरदार स्विंग के साथ उस पर टूट पड़े। उनका हाथ बल्ले से पूरी तरह अलग नहीं हुआ, जैसा कि उनके कई पावरफुल शॉट्स में होता है, लेकिन गेंद लॉन्ग-ऑन बाउंड्री के बहुत दूर चली गई।

स्प्रिंग काफी देर से कसा हुआ था, और अब 50 रन पार करने के बाद, गेंदों के बीच उनके मूवमेंट की गति में कुछ बदलाव आया: वह अचानक क्रीज के पार कूदते हुए दिखे, दूसरे छोर पर हर्ष त्यागी के साथ ग्लव्स टैप करने के लिए ज़्यादा उत्सुक थे।

अपने अर्धशतक के तुरंत बाद, वह घुटनों पर बैठ गए, डीप-बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ स्वीप किया, भले ही वह लगभग दूसरी तरफ गिर गए थे। उन्होंने 62 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था।

आशा देवी डागा टूर्नामेंट में इंस्पायर अकादमी और एसईडब्ल्यू ने जीत दर्ज की

जयपुर, 27 दिसंब। आरसीए द्वारा दिए गए 177/8 के लक्ष्य का पीछा करते हुए रजत सिंह और अमन सिंह शेखावत ने क्रमशः 75 और 81 रन बनाए। रजत सिंह ने 3 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। एसईडब्ल्यू ने 220/9 का स्कोर बनाया और पी.एस. अकादमी की टीम 124/10 पर सिमट गई। मानन सिंह ने 56 रन बनाए और किशन चौधरी को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने 2 विकेट लिए और 28 रन भी बनाए।

अतुल गुप्ता होंगे जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता के ऑर्गेनाइजेशन सेक्रेटरी

जयपुर, 27 दिसम्बर। जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत के अनुसार 30 दिसंबर से 4 जनवरी तक सवाई मानसिंह स्टेडियम इंडोर बैडमिंटन हॉल मे होने वाले श्री ओ एन दिक्षित मेमोरियल विंटर जयपुर जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप व वेटरन सिलेक्शन ट्रायल के लिए अतुल गुप्ता को ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री नियुक्त किया गया है अतुल गुप्ता भूतपूर्व राष्ट्रीय स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ी रह चुके हैं तथा वह राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के कोचिंग हेड व जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के कोषाध्यक्ष हैं अतुल गुप्ता अनुसार प्रतियोगिता 30 दिसंबर को सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगी तथा वेटरन खिलाड़ियों खिलाड़ियों के मैच तीन व चार जनवरी को खेले जाएंगे वेटरन खिलाड़ी सिर्फ तीन इवेंट में भाग ले सकते हैं जो की एक सिंगल्स एक डबल्स व एक मिक्स डबल्स होगा। एंट्री देने की अंतिम तिथि 29 दिसंबर होगी खिलाड़ी अपनी एंट्री सवाई मानसिंह स्टेडियम इंडोर बैडमिंटन हॉल तथा विभिन्न एंट्री केन्द्र पर दे सकते हैं।

अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी : राजस्थान ने क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया, नावेद खान ने 183 रन बनाये

जयपुर, 27 दिसंबर। जयपुर में चल रही अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी के मैच में उत्तरप्रदेश पहली पारी 178 आल आउट हो गई। इस मैच में राजस्थान पहली पारी में 494/9 घोषित हुई। टीम के लिए रजत बघेल 171, नावेद खान 183 व कुशाग्र ओझा 48 रन बनाए। उत्तर प्रदेश दूसरी पारी में 166/7, टीम के लिए भावी शर्मा 58 व युवराज 46 रन बनाये। आज मैच के अंतिम दिन राजस्थान के गेंदबाज हनी प्रताप सिंह 27/4 व जतिन 45/3 विकेट प्राप्त किये।

दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज्यादा है : स्मिथ

मेलबर्न, 27 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट दो दिन में हारने के बाद कहा कि दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज़्यादा है। स्मिथ ने शनिवार को मैच के बाद एमसीजी की पिच को लेकर कहा,'' हां, यह काफ़ी मुश्किल था। दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज़्यादा हैं। ग्राउंड्समैन के तौर पर यह काफ़ी मुश्किल है। मेरे हिसाब से वह हमेशा सही प्रकार का संतुलन देने की कोशिश करते हैं। पिछले साल की पिच बहुत अच्छी थी और मैच पांचवें दिन तक गया था। इस बार भी अगर 10 मिमी की जग़ह 8 मिमी रखते तो सही रहता। लेकिन ग्राउंड्समैन हमेशा सीखते हैं और इस मैच से उन्हें काफ़ी कुछ सीखने को मिलेगा।''

एमसीजी के क्यूरेटर मैट पेज ने इस बार 7-8 मिमी घास की जग़ह 10 मिमी घास रखी थी और अंत में इसी कारण से मैच सिर्फ़ दो दिन के अंदर खत्म हो गया। स्मिथ ने आगे कहा,'' जिन पिचों पर सीम गेंदबाज़ों को ज़्यादा मदद मिलती है, वहां स्पिन खेलना आसान होता है और ऐसे में आप यही सोचते हैं कि इस तरह की पिच पर स्पिनर को खिलाकर 30-40 रन अतिरिक्त क्यों देना है। पर्थ में भी हमने स्पिनरों का ज़्यादा इस्तेमाल नहीं किया था।

पिंक बॉल टेस्ट में भी स्पिनरों का उपयोग नहीं किया गया था। एडिलेड में पिच अलग थी इसलिए वहां मामला अलग था। इस मैच में भी स्पिन गेंदबाज़ों को गेंद देने की जरूरत नहीं लगी। मुझे मैच में स्पिनरों का योगदान अच्छा लगता है लेकिन जहां जरूरत नहीं है, वहां मतलब नहीं बनता।''

टेस्ट इतिहास में पहली बार ऑस्ट्रेलिया ने पूरे मैच में किसी स्पिनर से गेंद नहीं करवाई। चार मैचों में अभी तक दो मैच में ऑस्ट्रेलिया ने चार तेज गेंदबाज खिलाए और पर्थ टेस्ट में भी नाथन लायन ने सिर्फ़ दो ओवर ही गेंदबाज़ी की थी। इंग्लैंड ने दो दिन के अंदर एशेज का चौथा टेस्ट जीता और यह इस सीरीज का दूसरा दो दिन वाला टेस्ट मैच था। इससे पहले 1912 में एक सीरीज में एक से ज़्यादा दो दिन के टेस्ट खेले गए थे और ऑस्ट्रेलिया में सिर्फ़ चार बार दो दिन के टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस सीरीज से पहले 1931 में मेलबर्न और 2022 में ब्रिस्बेन में यह रिकॉर्ड बना था। पिछले 20 सालों में एमसीजी की पिच ऑस्ट्रेलिया में बल्लेबाज़ी के लिए सबसे मुश्किल पिच थी। इसी कारण से 1932 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट में अर्धशतक नहीं लगा। टेस्ट में सिर्फ़ 852 गेंदें खेली गई और इससे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बड़ा आर्थिक नुकसान होगा क्योंकि तीसरे दिन लगभग 90,000 दर्शक मैच देखने आने वाले थे और साथ ही चौथे दिन के लिए भी अच्छे ख़ासे टिकट बिके थे।

एमसीजी की पिच पर उठे सवाल

मेलबर्न, 27 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंग डे एशेज टेस्ट दो दिन के अंदर खत्म होने के बाद मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की पिच सवालों के घेरे में आ गई, दोनों टीमों के कप्तानों ने उस पिच पर अपनी राय दी, जिस पर पूरे मैच में सीम मूवमेंट था और बल्लेबाज़ी के लिए बहुत कम मौका मिला। 142 ओवर में कुल 36 विकेट गिरे, जिसमें तेज गेंदबाज़ों का दबदबा रहा और मैच में स्पिन का एक भी ओवर नहीं फेंका गया। यह टेस्ट - 2010-11 के दौरे के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली जीत - सिर्फ़ 952 गेंदों तक चला, जो इस एशेज सीरीज की शुरुआत में पर्थ टेस्ट से सिर्फ़ पांच गेंद ज़्यादा था।

दीप्ति शर्मा ने 1000 रन और 150 विकेट लेकर इतिहास रचा

तिरुवनंतपुरम, 27 दिसंबर। भारतीय महिला टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। इस मैच में उन्होंने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाली तीसरी खिलाड़ी बनने की उपलब्धि के साथ इसी प्रारूप में एक हजार रन और 150 विकेट का डबल पूरा करने का भी कारनामा किया। वह इस प्रारुप में (महिला, पुरुष) दोनों में यह कारनामा करने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर है। ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में शुक्रवार को दीप्ति के 3/18 के शानदार स्पेल से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की महान एलिस पेरी को पीछे छोड़ दिया है। पेरी ने 271 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 331 विकेट थे। दीप्ति के नाम अब 333 विकेट हो गए हैं। यह कारनामा करने वालों में वह अब केवल इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट और भारतीय दिग्गज झूलन गोस्वामी से पीछे हैं। 26 साल की दीप्ति ने इस छोटे फॉर्मेट में एक और बड़ा मुकाम हासिल किया। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट लेने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर (पुरुष या महिला) खिलाड़ी बन गईं। दीप्ति ने श्रीलंका की कविशा दिलहारी को आउट करके यह मुकाम हासिल किया और बाद में अपना 151वां टी-20 विकेट लिया, जिससे वह ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के साथ महिला टी-20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं।

महिला एकदिवसीय में, वह झूलन गोस्वामी के बाद भारत की दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 121 मैचों में 162 विकेट लिए हैं, जबकि पांच टेस्ट मैचों में 18.10 के शानदार औसत से 20 विकेट भी लिए हैं। उन्होंने अब इस प्रारुप में 1,100 से अधिक रन बनाए हैं और 151 विकेट भी लिए हैं। वह पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों में टी-20 के इतिहास में एक हजार रन और 150 विकेट का कारनामा करने वाली पहली खिलाड़ी हैं।

गस एटकिंसन की चोट से इंग्लैंड की परेशानी बढ़ाई

मेलबर्न, 27 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऐतिहासिक जीत के दौरान इंग्लैंड की चोटों की समस्या और गहरी हो गई, जब तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर चौथे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, एटकिंसन को शनिवार सुबह अपना पांचवां ओवर पूरा करने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा, आखिरी गेंद फेंकने के बाद उन्हें साफ तौर पर परेशानी हो रही थी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बाद में पुष्टि की कि दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग में दर्द हो रहा है और उनकी आगे जांच की जाएगी। इंग्लैंड ने एक बयान में कहा, ''गस एटकिंसन आज सुबह अपना पांचवां ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर चले गए, उन्हें अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग में कुछ दर्द महसूस हुआ। अगले कुछ घंटों में उनकी जांच की जाएगी। आपको शुभकामनाएं, गस।'' यह चोट इंग्लैंड के लिए एक नया झटका है, जो पहले से ही इस सीरीज में तेज गेंदबाजी संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। एटकिंसन ने दिन की अच्छी शुरुआत की थी, सुबह के सेशन में नाइटवॉचमैन स्कॉट बोलैंड को जल्दी आउट कर दिया था, क्योंकि इंग्लैंड पहले दिन के नाटकीय खेल के बाद मैच में वापसी करने की कोशिश कर रहा था। ऑस्ट्रेलिया पहले दिन 152 रन पर ऑल आउट हो गया था, जिसमें एटकिंसन ने दो विकेट लिए थे।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को पीजी डिग्री करने पर तीन अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ दें : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रार्थी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को वित्त विभाग के 21 दिसंबर 2017 के परिपत्र के अनुसार पीजी डिग्री करने के बाद तीन अग्रिम वेतन वृद्धि देने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख चिकित्सा सचिव व निदेशक सहित संबंधित मेडिकल कॉलेज के रजिस्ट्रार को कहा है कि वह इन तीन अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ याचिकाकर्ता चिकित्सकों से नहीं वसूले। जस्टिस मुनेरी लक्ष्मण की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. राजेन्द्र सिंह लखावत व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने बताया कि याचिकाकर्ता वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद पर हैं। सेवा अवधि के दौरान उन्होंने चिकित्सा और सर्जरी में पीजी की थी। जिस पर नियमानुसार उनके मूल वेतन पर अग्रिम तीन वेतन वृद्धियों का लाभ देकर उनका वेतन नियमित किया गया। वहीं बाद में वित्त विभाग ने 26 जुलाई 2013 के परिपत्र का हवाला देते हुए उन्हें दिया तीन अग्रिम वेतन वृद्धियों का लाभ एक जनवरी 2018 से प्रभावी माना, जबकि यह पीजी डिग्री प्राप्त करने की तारीख से लागू माना जाना चाहिए था। वहीं विभाग ने प्रार्थियों को सुनवाई का मौका दिए बिना ही इसकी रिकवरी का आदेश जारी कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि किसी भी परिपत्र या आदेश को भूतलक्षी प्रभाव से लागू नहीं कर सकते। प्रार्थियों को पीजी डिग्री पास करने की तिथि से ही तीन अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ मिलना न्यायोचित है। इसलिए 21 मई 2025 के आदेश को सेवा नियमों के विपरीत होने के कारण रद्द किया जाए।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ आज

जयपुर । अंग्रेजी नववर्ष-2026 की पूर्व वेला पर रविवार, 28 दिसंबर को सुबह 9 से दोहपर 12 बजे तक गोविंद देवजी मंदिर में श्री मन्माध्व गौडेश्वराचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी जी महाराज के सान्निध्य में नवसंकल्प सिद्धि गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। वर्ष 2025 में हुई भूलों, त्रुटियों की क्षमायाचना, अवगुणों का आत्मावलोकन कर प्रभु के समक्ष प्रायश्चित कर श्रद्धालु ठाकुर श्री गोविंद देवजी के समक्ष नववर्ष 2026 के लिए शुद्ध, सकारात्मक और रचनात्मक जीवन के शुभ संकल्प लेंगे। श्रद्धालु यज्ञ भगवान की साक्षी में यह संकल्प लेंगे कि वे एक बुराई का त्याग कर एक अच्छाई को अपनाएंगे। स्वयं, परिवार, समाज और राष्ट्र को उन्नित के पथ पर अग्रसर करेंगे। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के विद्वानों की टोली पंच कुंडीय यज्ञ संपन्न कराएंगी। महायज्ञ के माध्यम से नर-नारी की समानता, जाति-वंश से ऊपर उठकर मानवता, नैतिकता और संस्कारों को जीवन में उतारने का संदेश दिया जाएगा।

राज्यपाल से कुलगुरु डॉ. दुबे की शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे से शनिवार को लोकभवन में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के नव नियुक्त कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने मुलाकात की। कुलगुरु बनने के बाद डॉ. दुबे की राज्यपाल से यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

पेंशन नियमों के विपरीत जाकर रिटायर प्रिंसिपल की पेंशन रोकने पर जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पेंशन नियमों के विपरीत जाकर राज्यपाल की बजाय माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से रिटायर प्रिंसिपल की पेंशन का का कुछ हिस्सा रोकने पर प्रमुख शिक्षा सचिव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक और पेंशन निदेशक सहित मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, सवाई माधोपुर से जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कमलेश कुमार जोशी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता प्रिंसिपल पद से 31 मई 2021 को रिटायर हुआ, लेकिन पूर्व की विभागीय जांच के लंबित होने के कारण माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने उसकी दस फीसदी पेंशन रोकने का दंडादेश दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि वह बामनवास में ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी के तौर पर अक्टूबर 2014 से जून 2015 तक कार्यरत रहा। उस दौरान कार्यालय के अधीन कुछ अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से तीन-चार साल दिसंबर 2009 से पोषाहार में गबन हो रहा था।

जयपुर कलक्टर के निर्देश पर फील्ड में उतरे अधिकारी

स्वास्थ्य केन्द्र और श्री अन्नपूर्णा रसोई का औचक निरीक्षण किया

जयपुर (कासं)। जयपुर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर शनिवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों ने फील्ड में जाकर व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। उपखण्ड अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, तहसीलदारों सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सरोकार से जुडी योजनाओं तथा विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाएं, आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर फीडबैक भी प्राप्त किया तथा पाई गई कमियों को शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही अधिकारियों ने श्री अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, बैठने की सुविधा, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान लाभार्थियों से सीधा संवाद कर भोजन की गुणवत्ता एवं सेवाओं को लेकर उनकी राय भी जानी गई तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में अधिकारियों ने विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत जारी कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं गति बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

सरस राजसखी मेले में छाई लोक कलाओं की अनुपम झलक

जयपुर (कासं)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा जवाहर कला केंद्र जयपुर में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 का प्रत्येक दिन भारतीय संस्कृति के विविध रंगों से सराबोर नजर आ रहा है। गत 4 जनवरी तक चलने वाले इस भव्य आयोजन में प्रतिदिन देश के किसी न किसी कोने की लोक कला, नृत्य और संगीत को मंच मिल रहा है, जिसे देखने और अनुभव करने के लिए बडी संख्या में दर्शक उमड रहे हैं। सांस्कृतिक संध्याओं के माध्यम से यह मेला न केवल मनोरंजन का केंद्र बना हुआ है, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से साक्षात्कार का सशक्त माध्यम भी बन रहा है। मेले के पहले दिन ही सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत चरी, घूमर और कालबेलिया नृत्यों से हुई, जिसने पूरे परिसर को लोक रंगों से भर दिया। ताल, लय और भाव-भंगिमाओं के प्रभावशाली संयोजन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। लोक कलाकारों द्वारा शहनाई और नगाड़ा वादन ने भी खूब सराहना बटोरी। भरतपुर के ग्रुप द्वारा प्रस्तुत मयूर नृत्य तथा उत्तर प्रदेश के ग्रुप द्वारा प्रस्तुत फूलों की होली ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इन रंगीन और भावपूर्ण प्रस्तुतियों पर पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

पशुपालन विभाग में 1055 अधिकारी पदोन्नत हुए

जयपुर (कासं)। पशुपालन विभाग के राजस्थान राज्य पशुपालन सेवा संवर्ग के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, उप निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा अतिरिक्त निदेशक स्तर के विभिन्न संवर्गो के कुल 1055 पदों के लिए शुक्रवार को शासन सचिवालय में पदोन्नित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजस्थान लोक सेवा आयोग के माननीय सदस्य डा. सुशील कुमार बिस्सु ने की।

सोमवार से अरावली के 20 जिलों में अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त अभियान- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने अरावली के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखने के सख्त निर्देश दिए

जयपुर, 27 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ सोमवार 29 दिसंबर से 15 जनवरी, 2026 तक अरावली पर्वतमाला के 20 जिलों में संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। अभियान का संचालन खान, राजस्व, पुलिस, परिवहन और वन विभाग द्वारा संयुक्त रुप से किया जाएगा। अभियान का संचालन जिला कलक्टर के समन्वय से किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली।

■ वन/पर्यावरण व खान विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रूपए की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में केन्द्र सरकार की ओर से भी निर्देश जारी किए गए हैं। ये निर्देश पूरे अरावली भू-भाग पर समान रूप से लागू होंगे। इससे पर्वत श्रृंखला के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखा जा सकेगा और अनियमित व अवैध खनन पर प्रभावी रूप से रोक लग सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने खनन लीज जारी करने में सुप्रीम कोर्ट और सीईसी द्वारा समय-समय पर जारी की गई गाइडलाइंस के साथ ही सभी पर्यावरण सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है। परियोजना के तहत अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण करवाया जा रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, वन एवं पर्यावरण तथा खान विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अभियान की नियमित मोनेटरिंग खान मुख्यालय उदयपुर व प्रमुख सचिव माइंस के स्तर पर की जाएगी। अधिकारियों की जबावदेही तय करने के साथ ही किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अभियान के दौरान की गई कार्यवाही को मीडिया के माध्यम से प्रसारित करने के भी निर्देश दिए गए ताकि अवैध खनन गतिविधि करने वालों पर सरकार की सख्ती का संदेश जा सकें।

शरद पवार शिवसेना-मनसे गठबंधन में शामिल

मुंबई, 27 दिसंबर। महाराष्ट्र में तेजी से बदलते घटनाक्रम के मद्देनजर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने घोषणा की कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव लड़ने को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) गठबंधन में शामिल हो गई है।

यह घटनाक्रम तब हुआ, जब शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के नेता जयंत पाटिल ने शुक्रवार को बांद्रा पूर्व में मातोश्री आवास पर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की और पुणे में अजित पवार और शरद पवार के बीच गठबंधन की सारी संभावनाएं खत्म हो गईं।

गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मीडियाकर्मियों को बताया था कि बीएमसी सहित, नगर निगमों के आगामी चुनाव लड़ने के लिए प्रकाश अम्बेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन के लिए बातचीत शुरू हो गई है।

बीएमसी चुनाव में शरद पवार से गठबंधन करने के बाबत राउत ने कहा, " शरद पवार एक वरिष्ठ नेता हैं। हम सभी महसूस करते हैं कि उन्हें हमारे साथ होना चाहिए। हम सभी चाहते थे कि उनके जैसा वरिष्ठ नेता उनकी पार्टी गठबंधन में हो।

दिग्विजय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
अकेले हैं? क्या पार्टी में अन्य नेता भी वही महसूस कर रहे हैं जो दिग्विजय सिंह ने कहा?

और सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्यों दिग्विजय सिंह की बातों को सबने चुप होकर सुना, बिना किसी जवाब और पलटवार के?

राहुल गांधी के कट्टर समर्थक क्यों चुप थे?

दिल्ली में एक रात में 285 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। दिल्ली में बड़ा एक्शन हुआ है। इससे अराधियों में खलबली मच गई है। नए साल से पहले दिल्ली पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए बड़ी धड़-पकड़ की है। पुलिस के साउथ-ईस्ट जिले ने अपराध पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन आघात 3.0' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस अभियान के तहत, एक ही रात में विभिन्न आपराधिक मामलों से जुड़े 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध सामग्री बरामद की है। कुल 21 कंट्री मेड पिस्टल, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू जब्त किए गए, जो हथियारों की अवैध तस्करी और उपयोग को रोकने में मददगार साबित होंगे। इसके अलावा, नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए 6.01 किलोग्राम गांजा और 12,258 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की गई।

बांग्लादेश में हिंदू, कसाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
हैं, जैसे उम्मीदवारों और मतदाताओं की सुरक्षा, वो देश में पूरी तरह से गायब हैं। हालात को और जटिल बनाते हुए, निर्वासन में रह रहे बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) के नेता तहरीक रहमान की वापसी ने हिंदू समुदाय के डर को और बढ़ा दिया है।

बेगम खालिदा रहमान के नेतृत्व में बीएनपी बांग्लादेश की सबसे कट्टर इस्लामी राजनीतिक पार्टियों में से एक रही है। इस पार्टी ने हिंदुओं को देश से उखाड़ फेंकने की नीतियों की वकालत की थी और खुले तौर पर उनसे देश छोड़ने को कहा था। अब उनका बेटा, जो सत्रह साल से अधिक समय तक लंदन में रह रहा था, वापस आ गया है और आशंका है कि वह भी अपनी मां की तरह हिंदुओं के खिलाफ नफरत और उत्पीड़न का वही रास्ता अपनाएगा। भारत से लगी सीमाएं बंद होने के कारण देश में फंसे अल्पसंख्यक हिंदू खुद को मानो कसाईखाने में कैद महसूस कर रहे हैं। करीब ढाई करोड़ हिंदुओं का पूरा समुदाय हर पल डर में जी रहा है कि कभी भी डराने-धमकाने या भीड़ द्वारा हत्या की घटना हो सकती है।

हाल ही में लगातार दो हिंदुओं की नृशंस हत्या ने पूरे देश में भय और असुरक्षा का माहौल बना दिया है। अब तो दिनदहाड़े सिर्फ हिंदू होने की पहचान के कारण भी किसी की हत्या हो सकती है और प्रशासन की ओर से कोई सुरक्षा नहीं मिलती। जमीनी स्तर पर सांप्रदायिकता इतनी बढ़ गई है कि बांग्लादेश में किसी हिंदू की हत्या अब जैसे कोई अपराध ही नहीं रह गई है। यह खतरा पूरे समुदाय के लिए रोजमर्रा की सच्चाई बन गया है। नई हिंदू पार्टी भारत से आग्रह कर रही है कि वह सीमाएं बंद रखने के बजाय उन्हें खोले। इसका मतलब यह नहीं है कि बांग्लादेश से हिंदुओं का बड़े पैमाने पर पलायन हो जाएगा, लेकिन खुली सीमा से कम से कम यह विकल्प बना रहेगा कि वे जरूरत पड़ने पर निकल सकें, और इससे कट्टरपंथी तत्वों पर भी मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ेगा।

बड़े पैमाने पर किसी भी पलायन से भारत की ओर से प्रतिक्रिया होगी और यह सांप्रदायिक तत्वों के लिए एक तरह का चेतावनी संकेत बनेगा।

इसी बीच, देश की समग्र स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है और आम लोगों की हालत भी खराब होती जा रही है। पिछले साल सत्ता परिवर्तन के बाद से अर्थव्यवस्था को झटका लगा है और अब हालात और भी बिगड़ चुके हैं।

जब आम जनता की हालत बद से बदतर होती जा रही है, तो अल्पसंख्यकों की स्थिति उससे भी ज्यादा दयनीय है। उनमें से अधिकतर किसी तरह बस गुजारा कर रहे हैं। भारत को अपना रुख बदलना चाहिए और बड़े पैमाने पर हत्याओं से उन्हें बचाने के लिए सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए।

दिग्विजय सिंह आखिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
अलोकतांत्रिक" कांग्रेस नेतृत्व का पर्दाफाश कर दिया है।

केशवन ने एक्स पर की गई एक टिप्पणी में कहा, "क्या राहुल गांधी साहस दिखाएंगे और दिग्विजय सिंह के ट्वीट द्वारा छोड़े गए "सत्य बम" पर प्रतिक्रिया देंगे, जिसने पूरी तरह से यह उजागर किया है कि कांग्रेस का प्रथम परिवार पार्टी को तानाशाही तरीके से कैसे चलाता है और यह कांग्रेस नेतृत्व कितना तानाशाह और अलोकतांत्रिक है?"

दिग्विजय सिंह के पोस्ट में कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल्स, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी टैग किया गया था, जिसे हाई कमान को उनके (सिंह के) संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

एक हफ्ते पहले, उन्होंने कांग्रेस में सुधार की बात की थी और राहुल गांधी से इसे देखने की अपील की थी। उन्होंने 19 दिसम्बर को कहा था कि पार्टी को और ज्यादा "व्यावहारिक एवं विकेन्द्रीकृत कार्यप्रणाली" की आवश्यकता है। लेकिन यह अफसोस भी जताया था कि राहुल गांधी को "इसके लिये राजी करना आसान नहीं" है।

पोस्ट में लिखा गया, "राहुल गांधी जी, आप सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर पूरी तरह "सही" हैं। पूरे नम्बर। लेकिन अब कृपया कांग्रेस पार्टी पर भी ध्यान दें। जैसे ईसीआई एसवीईईपी (इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया का मतदाता जागरुकता एवं शिक्षा कार्यक्रम) को सुधारों की आवश्यकता है, वैसे ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को भी। आपने 'संगठन निर्माण' से शुरुआत की है, लेकिन हमें अधिक व्यावहारिक विकेंद्रीकृत कार्यप्रणाली की आवश्यकता है। मुझे यकीन है कि आप इसे करेंगे, क्योंकि मुझे पता है कि आप यह कर सकते हैं। एकमात्र समस्या यह है कि आपको "तैयार करना" आसान नहीं है।

भाजपा ने उनके बयानों को लेकर गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के नेता देशभर में लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि कांग्रेस के अंदर कितना लोकतंत्र है।

सिंह के ये पोस्ट ऐसे समय में आए हैं, जब राज्य की राजनीति में मुश्किलें बढ़ रही हैं। उनका दूसरा राज्यसभा कार्यकाल अगले साल की शुरुआत में खत्म हो रहा है, और तीसरे कार्यकाल की संभावना कम दिखती है। कमल नाथ और मीनाक्षी नटराजन पहले ही राज्यसभा के लिए कतार में हैं और उनकी सीट के लिए प्रमुख दावेदार हो सकते हैं। इसके अलावा, मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानमंडल दल के नेता उमंग सिंघार को भी "दिग्विजय विरोधी" नेता माना जाता है।

लीपा-पोती कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
(गांधी परिवार) की कांग्रेस को तानाशाही तरीके से चलाने के लिए आलोचना की। भाजपा के एक प्रवक्ता ने सिंह के पोस्ट को "सत्य बम" के रूप में वर्णित किया। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 1990 के दशक के एक ब्लैक एण्ड वाइट फोटो का स्क्रीनशॉट साझा किया, जो गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में भाजपा के दिग्गज नेता एल.के. आडवाणी कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं, जबकि युवा नरेन्द्र मोदी उनके पास फर्श पर बैठे नज़र आ रहे हैं। अपने पोस्ट में, सिंह ने बताया कि कैसे संघ के पारिस्थितिकी तंत्र में ग्रास रूट कार्यकर्ता रैंक में ऊपर उठते हैं और मुख्यमंत्री, यहां तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकते हैं। सिंह के पोस्ट का राजनीतिक संदेश स्पष्ट है, क्योंकि यह उनके राहुल गांधी को लिखे पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने राहुल की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की समझ की सराहना की थी, लेकिन पार्टी संगठन को विकेन्द्रीयकृत निर्णय लेने के जरिए मजबूत करने की अपील की थी। सिंह ने उस संदेश में स्वीकार किया था कि राहुल को मनाना "आसान नहीं है।" यह बयान पार्टी के अंदर असहजता का कारण बना था।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
शीर्ष अदालत का यह दखल अरावली पहाड़ियों की बदली हुई परिभाषा के कारण हुए सार्वजनिक विरोध और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बाद आया है। यह क्षेत्र अपने इकॉलॉजिकल महत्व और रेगिस्तान बनने से रोकने और भूजल स्तर को बनाए रखने में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञ और सिविल सोसाइटी संगठनों ने चिंता जताई है कि परिभाषा में बदलाव पहले से संरक्षित क्षेत्रों में माइनिंग और निर्माण गतिविधियों को कानूनी मान्यता मिल सकती है।

असम में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
सामने आए, जिनमें जनसांख्यिकीय समानता पाई गई और उन्हें सुधार के लिए चिन्हित किया गया। आयोग के मुताबिक, यह पूरी प्रक्रिया घर-घर जाकर सत्यापन के जरिए की गई।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908